कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामनिवास मिर्धा के सम्मान में श्री संदीप भुतोड़िया ने अपने निवास स्थान पर दोपहर भोज का आयोजन किया। चित्र में बायें से दिनेश बाजपेयी, विश्वम्भर नेवर (संपादक- छपते छपते), मदनलाल बमलवा, विश्वम्भर सुरेका, सांसद सुधांशु शील, हरिप्रसाद बुधिया, रवीन देब (विधायक), संदीप भुतोड़िया, प्रदीप भट्टाचार्य, विधानसभाध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम, राम निवास मिर्धा, राज्य के मंत्री श्री प्रबोध चन्द्र सिन्हा, श्रीमती (डा.) प्रभा खेतान, फास्टो रोजमरी हट, सीताराम शर्मा, भानीराम सुरेका एवं गीतेश शर्मा। फोटो : छपते छपते

छपते छपते, 16, जून, 2004

...के सम्मान में महानगर में कई कार्यक्रम हुए. बायें से एसेंबली में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य समेत कई शामिल हुए. साहित्यकार व ... डॉ प्रभा खेतान के निवास पर उनके सम्मान में मिलन गोष्ठी हुई, जिसमें उपस्थित थे विधानसभा अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम, मंत्री प्रबोध चंद्र सिन्हा, ... सांसद प्रदीप भट्टाचार्य, विधायक रॉबिन देब, विधायक मिसेज हार्ट, बेलारूस के कौंसुल सीताराम शर्मा, उद्योगपति हरिप्रसाद बुधिया, विशंभर ... चंद बामलवा, पूर्व पुलिस महानिदेशक दिनेश वाजपेयी, भानीराम सुरेका, गीतेश शर्मा, विशंभर नेवर व संदीप भूतोड़िया.

प्रभात खबर,16, जून , 2004

ज्योति बसु अध्यक्षता करेंगे सोमनाथ के अभिनंदन की

कोलकाता, ४ जून (नि.प्र.)। विख्यात सांसद एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संसदीय दल के वर्तमान नेता तथा लोकसभा के प्रस्तावित अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी का नागरिक अभिनंदन शनिवार दिनांक १२ जून २००४ को सायं ४ बजे ग्रेट इस्टर्न होटल के दरबार हॉल में किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता विख्यात मार्क्सवादी नेता तथा प. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री श्री ज्योति बसु करेंगे तथा समारोह में प. बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष जनाब हाशिम, अब्दुल हालिम मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस समारोह का आयोजन श्री सोमनाथ चटर्जी अभिनंदन समिति कर रही है तथा शहर की एक सौ एक सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक तथा व्यावसायिक संस्थाओं की इसमें सहभागिता रहेगी। सोमनाथ चटर्जी के अभिनंदन हेतु श्री सोमनाथ चटर्जी अभिनंदन समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षा विख्यात साहित्यकार एवं विदुषी डॉ. प्रभा खेतान हैं। तथा आयोजन समिति के सदस्यों में श्री सीताराम शर्मा, श्री भानीराम सुरेका, श्री प्रकाश तोषनीवाल, श्री सरदारमल कांकरिया, श्री राजकुमार शर्मा, श्री राजेश बिहानी, श्रीमती हिना गोरसिया तथा श्री हर्ष नेवटिया शामिल हैं। कार्यक्रम का स्वागताध्यक्ष उद्योगपति श्री शिशिर बाजोरिया होंगे। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने दी।

5 जून 2004 दैनिक विश्वमित्र

१२ को बसु करेंगे सोमनाथ चटर्जी का अभिनंदन

कोलकाता: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद एवं लोकसभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का नागरिक अभिनंदन १२ जून को सायं चार बजे ग्रेट ईस्टर्न होटल के दरबार हॉल में किया जायेगा। समारोह की अध्यक्षता माकपा के वरिष्ठ नेता तथा पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु करेंगे। समारोह में पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष जनाब हाशिमअब्दुल हालिम बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहेंगे। सोमनाथ चटर्जी के अभिनंदन हेतु सोमनाथ चटर्जी अभिनंदन समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षा साहित्यकार प्रभा खेतान हैं तथा आयोजन समिति के सदस्यों में संदीप भूतोड़िया, सीताराम शर्मा, भानीराम सुरेका, प्रकाश तोषनीवाल, सरदारमल कांकरिया, राजकुमार शर्मा, राजेश बिहानी, हिना गोरसिया तथा हर्ष नेवटिया शामिल हैं। कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष शिशिर बाजोरिया होंगे।

7 जून [illegible] 2004

সোমনাথকে সংবর্ধনা শনিবার

আজকালের প্রতিবেদন: লোকসভার অধ্যক্ষ মনোনীত হওয়ার জন্য সি পি এমের প্রবীণ সাংসদ সোমনাথ চট্টোপাধ্যায়কে বিশেষ সংবর্ধনা দেবে 'শ্রী সোমনাথ চ্যাটার্জি অভিনন্দন সমিতি'। ১২ জুন শনিবার গ্রেট ইস্টার্ন হোটেলের দরবার হলে, বিকেল ৪টেয়। সংবর্ধনা অনুষ্ঠানে উপস্থিত থাকবেন প্রাক্তন মুখ্যমন্ত্রী জ্যোতি বসু এবং পশ্চিমবঙ্গ বিধানসভার অধ্যক্ষ হাসিম আবদুল হালিম। অভিনন্দন সমিতির আহ্বায়ক সন্দীপ ভুতুড়িয়া। এই অভ্যর্থনা অনুষ্ঠানের জন্য গঠিত কমিটির সদস্যরা হলেন ড. প্রভা খৈতান, সীতারাম শর্মা, ভানিরাম সুরেখা, প্রকাশ তোসনিওয়াল, সর্দারমল কাঙ্কারিয়া, রাজকুমার শর্মা, রাজেশ বিহানি, হেনা গোর্সিয়া এবং হর্ষবর্ধন নেওটিয়া। অভ্যর্থনা সমিতির শীর্ষে আছেন শিশির বাজোরিয়া।

7 জুন 2004, আজকাল

पाठ्य पुस्तक वितरण

कोलकाता, २ जून (सेस)। प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं समाजसेवी संस्था भारत रिलीफ सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार दिनांक ६ जून २००४ को एक हजार जरूरतमंद विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें वितरित की जाएगी। माहेश्वरी सेवा सदन में आयोजित इस समारोह का उद्घाटन करेंगे मानभोमी के चेयरमैन विमान बोस। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सौरभ गांगुली की पत्नी एवं विख्यात नृत्यांगना श्रीमती डोना गांगुली समारोह की मुख्य अतिथि हैं। उद्योगपति शिशिर बाजोरिया एवं मानराज अग्रवाल पुस्तक वितरण समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह का आयोजन प्रातः१० बजे किया गया है। यह जानकारी प्रभा खेतान फाउंडेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया एवं भारतीय रिलीफ सोसाइटी के महासचिव विश्वंभर नेवर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

2 जून 2004, [illegible]

साहित्यकार व उद्योगपति डा. प्रभा खेतान के निवास पर भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री राम निवास मिर्धा के सम्मानार्थ आयोजित मिलन गोष्ठी के अवसर पर उपस्थित विधानसभा अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम, प.बं. सरकार के मंत्री प्रबोध चन्द्र सिन्हा, सांसद सुधांशु शील, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य, विधायक रविन देव, विधायक मिसेज हार्ट, बेलारूस के कौन्सुल सीताराम शर्मा, उद्योगपति हरिप्रसाद बुधिया, विश्वम्भर दयाल सुरेका, मदनलाल बामलवा, भूतपूर्व पुलिस महानिदेशक दिनेश बाजपेयी, भानीराम सुरेका, गीतेश शर्मा, विश्वम्भर नेवर व सन्दीप भूतोड़िया।

दैनिक विश्वमित्र ,16, जून , 2004

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामनिवास मिर्धा के सम्मानार्थ समाजसेवी सन्दीप भूतोड़िया द्वारा उनके निवास स्थान पर आयोजित मिलन गोष्ठी पर उपस्थित डा. प्रभा खेतान, स्पीकर हाशिम अब्दुल हलीम, मंत्री प्रबोध चन्द्र सिन्हा, सांसद सुधांशु शील, सांसद प्रदीप भट्टाचार्य, विधायक राबिन देव, विधायक डी कोस्टा हर्ट, वफूना के महासचिव सीताराम शर्मा, हरि प्रसाद बुधिया, विश्वम्भर दयालु सुरेका, मदनलाल बामलवा, भूतपूर्व पुलिस महानिदेशक दिनेश वाजपेयी, भानीराम सुरेका, गीतेश शर्मा व विश्वम्भर नेवर।

सन्मार्ग, 16 जून 2024

छपते छपते, 28 मई 2004

सोमनाथ का नागरिक अभिनंदन 12 को

कोलकाता : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता व लोकसभा के स्पीकर सोमनाथ चटर्जी का महानगर की 101 शैक्षणिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा नागरिक अभिनंदन 12 जून को शाम चार बजे किया जायेगा. समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता व पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु करेंगे. इसकी जानकारी कार्यक्रम के संयोजक व प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भुतोड़िया ने दी.

बसु की अध्यक्षता में सोमनाथ चटर्जी का अभिनंदन 12 को

कोलकाता, 4 जून : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद एवं लोकसभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का नागरिक अभिनंदन 12 जून को सायं चार बजे ग्रेट इस्टर्न होटल के [illegible] हॉल में किया जायेगा. समारोह की अध्यक्षता माकपा के वरिष्ठ नेता तथा पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु करेंगे. समारोह में पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष जनाब हाशिम अब्दुल हालिम बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहेंगे.

इस समारोह का आयोजन सोमनाथ चटर्जी अभिनंदन समिति कर रही है तथा शहर की 101 सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक तथा व्यावसायिक संस्थाओं की इसमें सहभागिता रहेगी. सोमनाथ चटर्जी के अभिनंदन हेतु सोमनाथ चटर्जी अभिनंदन समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षा साहित्यकार प्रभा खेतान हैं तथा आयोजन समिति के सदस्यों में सीताराम शर्मा, भागीरथ सुरेका, प्रकाश चोपनीवाल, सरदारमल कांकरिया, राजकुमार शर्मा, राजेश बिहानी, हिना गोरसिया तथा हर्ष नेवटिया शामिल हैं. कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष होंगे उद्योगपति शिशिर बाजोरिया.

5 जून 2004, प्रभात खबर

सोमनाथ चटर्जी का नागरिक अभिनंदन

कोलकाता, २७ मई (निप्र)। विख्यात सांसद एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संसदीय दल के वर्तमान नेता तथा लोकसभा के प्रस्तावित अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी का शहर की एक सौ एक शैक्षणिक, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा सामाजिक संस्थाओं द्वारा नागरिक अभिनंदन शनिवार दिनांक १२ जून को सायं ४ बजे किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता विख्यात मार्क्सवादी नेता तथा पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री श्री ज्योति बसु करेंगे। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक प्रभा खेतान फाउण्डेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भुतोड़िया ने दी।

दैनिक विश्वमित्र 28, मई 2004

भारतीय भाषा परिषद विवाद

समाज की छवि को बचाना जरूरी : संदीप भूतोड़िया

कोलकाता, १६ जुलाई (सेस)। भारतीय भाषा परिषद के बारे में जो भी सूचना तमाम अखबारों के माध्यम से प्राप्त हुई है, उससे पूरे देश में कोलकाता के मारवाड़ी समाज की छवि धूमिल हुई है। कोलकाता मारवाड़ी समाज का मक्का है। महानगर की कई साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाएं इसी समाज की देन है एवं वर्तमान में भी यही समाज इनका संरक्षक भी है। पूर्वजों द्वारा स्थापित किसी भी लोक हितकारी संस्था का व्यावसायीकरण करना गलत है। यह कहना है अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन के युवा शाखा के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया का। एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि अखबारों के माध्यम से जो तथ्य सामने आये है अगर वह सत्य है तो यह सर्वथा अनुचित है कि अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय यहां चलता रहे। परिषद की कार्यकारिणी के कुछ सदस्यों के इस फैसले का कारण जो भी हो, इस विवादास्पद स्थिति के कारण आम लोगों की इस भावना को और प्रबलता मिलती है कि मारवाड़ी समाज सिर्फ व्यवसाय जानता है तथा बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपया की कहावत अपनाता है। आज का युवा वर्ग के लिए भविष्य में इस छवि के साथ कि वो उस समाज से है जो सिर्फ पैसे की भाषा समझता है-सर उठाकर चलना बड़ा मुश्किल है। कोई भी संस्था कुछ व्यक्तियों की नहीं होती वरन पूरे समाज का उस पर हक बनता है और संस्था के पदाधिकारी अपने समाज के सामने पूरे जवाबदेह हैं। भाषा परिषद की स्थापना मारवाड़ी समाज के तत्कालीन अग्रजों ने की थी एवं अभीभी इसकी देखरेख मारवाड़ी समाज के व्यक्ति कर रहे हैं। अतएव मारवाड़ी समाज के वर्तमान अग्रजों को चाहिए कि स्थिति को नियंत्रण करने हेतु आगे आएं। किसी व्यक्ति विशेष या पूरी संस्था को गलती में चुप रहना भी बड़ी गलती है। यह लड़ाई कानूनी व राजनैतिक नहीं वरन वैचारिक एवं सैद्धांतिक है। दो विपरीत विचारों को सुलझा कर समाज की बदनाम होती छवि की रक्षा करना बेहद जरूरी है। यह मुद्दा सिर्फ साहित्यिक नहीं वरन सामाजिक प्रतिष्ठा की भी है। इतिहास गवाह है किसी भी सामाजिक गलती का परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ा है। तथा ऐसे मौकों पर समाज एकजुट होकर हमेशा लड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान पदाधिकारियों ने इसका विरोध करते हुए आंदोलन करने की बात बयान में कह भी दी है तथा इसके अलावा पूरे देश में साहित्यकारों ने अलग-अलग जगहों पर अपना विरोध दर्ज कराया है। हम सबका यह फर्ज बनता है कि इस मामलेमें चुप्पी न साधकर परिषद की स्थिति को नियंत्रित किया जाए तथा अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय अविलंब बंद करने हेतु परिषद के इस मामले के सहभागी पदाधिकारियों से बात की जाए।

सेवासंसार, 16, जुलाई, 2004

समाज की छवि को बचाना जरूरी-संदीप भूतोड़िया

भारतीय भाषा परिषद विवाद

कोलकाता, १५ जुलाई (नि.प्र.)। भारतीय भाषा परिषद के बारे में जो भी सूचना तमाम अखबारों के माध्यम से प्राप्त हुई है, उससे पूरे देश में कोलकाता के मारवाड़ी समाज की छवि धूमिल हुई है। कोलकाता मारवाड़ी समाज का मक्का है। महानगर की कई साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाएं इसी समाज की देन है एवं वर्तमान में भी यही समाज इनका संरक्षक भी है। पूर्वजों द्वारा स्थापित किसी भी लोक हितकारी संस्था का व्यावसायीकरण करना गलत है। अखबारों के माध्यम से जो तथ्य सामने आये हैं अगर वह सत्य है तो यह सर्वथा अनुचित है कि अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय वहां चलता रहे। परिषद की कार्यकारिणी के कुछ सदस्यों के इस फैसले का कारण जो भी हो, इस विवादास्पद स्थिति के कारण आम लोगों की इस भावना को और प्रबलता मिलती है कि मारवाड़ी समाज सिर्फ व्यवसाय जानता है तथा बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया की कहावत अपनाता है। आज का युवा वर्ग के लिए भविष्य में इस छवि के साथ कि वो उस समाज से है वो सिर्फ पैसे की भाषा समझता है-सर उठाकर चलना बड़ा मुश्किल है। कोई भी संस्था कुछ व्यक्तियों की नहीं होती वरन पूरे समाज का उस पर हक बनता है और संस्था के पदाधिकारी अपने समाज के सामने पूरे जवाबदेह है। भाषा परिषद की स्थापना मारवाड़ी समाज के तत्कालीन अंग्रेजों ने की थी एवं अभी भी इसकी देखरेख मारवाड़ी समाज के व्यक्ति ही कर रहे हैं। एतएव मारवाड़ी समाज के वर्तमान अंग्रेजों को चाहिए कि स्थिति को नियंत्रण करने हेतु आगे आएं। किसी व्यक्ति विशेष या पूरी संस्था की गलती में चुप रहना भी बड़ी गलती है। यह लड़ाई कानूनी व राजनैतिक नहीं वरन वैचारिक एवं सैद्धांतिक है। दो विपरीत विचारों को सुलझाकर समाज की बदनाम होती छवि की रक्षा करना बेहद जरूरी है। यह मुद्दा सिर्फ साहित्यिक नई वरन सामाजिक प्रतिष्ठा की भी है। इतिहास गवाह है किसी भी सामाजिक गलती का परिणाम पूरे समाज को भुगतान पड़ा है। तथा ऐसे मौकों पर समाज एकजुट होका हमेशा लड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान पदाधिकारियों ने इसका विरोध करते हुए आंदोलन करने की बात बयान में कह भी दी है तथा इसके अलावा पूरे देश में साहित्यकारों ने अलग-अलग जगहों पर अपना विरोध दर्ज कराया है। हम सबका यह फर्ज बनता है कि इस मामले में चुप्पी न साध कर परिषद की स्थिति को नियंत्रित किया जाए तथा अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय अविलंब बंद करने हेतु परिषद के इस मामले के सहभागी पदाधिकारियों से बात की जाए।

दैनिक विश्वमित्र, 16, जुलाई, 2004

4 प्रभात खबर

मारवाड़ी समाज की धूमिल होती छवि को

संदर्भ : इंटरनेशनल स्कूल विवाद

कोलकाता, 15 जुलाई : भारतीय भाषा परिषद के बारे में जो भी सूचना तमाम अखबारों के माध्यम से प्राप्त हुई है, उससे पूरे देश में कोलकाता के मारवाड़ी समाज की छवि धूमिल हुई है. महानगर की कई साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाएं इसी समाज की देन हैं व वर्तमान में भी यही समाज इनका संरक्षक भी है. पूर्वजों द्वारा स्थापित किसी भी लोक हितकारी संस्था का व्यावसायीकरण करना गलत है. जो तथ्य हमें मिले हैं, अगर वे सत्य हैं तो यह सर्वथा अनुचित है कि अंतरराष्ट्रीय विद्यालय वहां चलता रहे. परिषद की कार्यकारिणी के कुछ सदस्यों के इस फैसले का कारण जो भी हो, पर इस विवादास्पद स्थिति के कारण आम लोगों की इस भावना को और प्रबलता मिलती है कि मारवाड़ी समाज सिर्फ व्यवसाय जानता है तथा *बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया* की कहावत अपनाता है. युवा वर्ग के लिए भविष्य में इस छवि के साथ कि मारवाड़ी समाज सिर्फ पैसे की भाषा समझता है- सर उठा कर चलना बड़ा मुश्किल है. कोई भी संस्था कुछ व्यक्तियों की नहीं होती, वरन् पूरे समाज का उस पर हक बनता है और संस्था के पदाधिकारी अपने समाज के सामने पूरी तरह जवाबदेह हैं. भाषा परिषद की स्थापना मारवाड़ी समाज के तत्कालीन

गीतेश भी उतरे

कोलकाता : पत्रकार-लेखक गीतेश शर्मा ने कहा कि भारतीय भाषा परिषद में जो कुछ हो रहा है, यह महानगर के साहित्यिक जगत का सबसे बड़ा घोटाला है. इससे कुछ ट्रस्टियों-सदस्यों की बदनीयत स्पष्ट रूप से जाहिर है. इसमें कुछ लोगों का निजी स्वार्थ जुड़ा है. इसके पक्के प्रमाण मेरे पास हैं. मुझे इस बात की पीड़ा है कि परिषद के अध्यक्ष परमानंद चूड़ीवाल, जो अपने को गांधीवादी व हिंदी भाषा-साहित्य के पृष्ठ पोषक कहते हैं, ढलती उम्र में इस पाप कर्म में क्यों संलिप्त हुए. परिषद के मूल्यों, सिद्धांतों व आदर्शों को ताक पर रख दिया है.

लेखकों का हस्ताक्ष

कोलकाता : भारतीय भाषा परिष के विरुद्ध ज्ञापन पर कोलकाता के लेखक हस्ताक्षर कर चुके हैं. देश जबलपुर, वाराणसी, बीकानेर, ज बेंगलूर आदि शहरों से ज्ञापन पर हस्ताक्षर आनेवाले हैं. 15 जुलाई पहली खेप अशोक सेकसरिया को बात यह है कि हस्ताक्षर ऐसे लेखक में नहीं पड़ते और साहित्य की राज मलयालम के सुप्रसिद्ध कवि अ सच्चिदानंदन के भी हस्ताक्षर हैं. यह विरोध का प्रतीक माना जा सकता लेखकों के हस्ताक्षर हैं, वे हैं व बाजपेयी, केदारनाथ सिंह, राजेंद्र य वर्मा, सविता सिंह, निर्मला जैन, पं तिवारी, महेंद्र भल्ला, मुरली मनोहर एवं के सच्चिदानंदन.

प्रभात खबर, 16, जुलाई, 2004

बचाना जरूरी हो गया है : संदीप भूतोड़िया

र अभियान देश भर में

के परिसर में इंटरनेशनल स्कूल खोलने
40 से भी अधिक हिंदी और बांग्ला के
के विभिन्न शहरों भोपाल, इलाहाबाद,
पुर, रांची, रायपुर, पटना, गुवाहाटी,
विभिन्न भारतीय भाषाओं के लेखकों के
के दिल्ली के लेखकों के हस्ताक्षर की
प्त हुई है. इसकी सबसे ज्यादा विलक्षण
के भी हैं, जो सामान्यता किसी विवाद
ति से कोसों दूर रहते हैं. पहली खेप में
र साहित्य अकादमी के सचिव के
तमाम भारतीय भाषाओं के लेखकों के
है. दिल्ली से आयी पहली खेप में जिन
ष्णा सोबती, कुंवर नारायण, अशोक
व, मैनेजर पांडेय, मैत्रेयी पुष्पा, अर्चना
न सिंह, पुरुषोत्तम अग्रवाल, नित्यानंद
साद सिंह, नंदकिशोर नवल, हरिमोहन

शिशिर भी विरोधी

कोलकाता : युवा उद्योगपति शिशिर बाजरिया ने कहा कि भारतीय भाषा परिषद के परिसर में इंटरनेशनल स्कूल खोलने का वह विरोध करते हैं. कोलकाता में कई इंटरनेशनल स्कूल खुलें, मैं उसका स्वागत करूंगा, पर परिषद के परिसर में इंटरनेशनल स्कूल हो, यह बात अटपटी लगती है. इंटरनेशनल स्कूल के लिए कोलकाता में जगह की कमी नहीं है. परिषद की स्थापना तो हमारे पूर्वजों ने भारतीय भाषाओं के बीच सेतु बनने के लिए किया था. जिससे सभी भारतीय भाषाओं का समुचित विकास हो. कोई भी संवेदनशील व्यक्ति परिषद में इंटरनेशनल स्कूल का पक्ष नहीं लेगा.

तूल पकड़ता जा रहा है मामला

'अंग्रेजों' ने की थी एवं अब भी इसकी देखरेख मारवाड़ी समाज के व्यक्ति ही कर रहे हैं. अतएव मारवाड़ी समाज के वर्तमान 'अंग्रेजों' को चाहिए कि स्थिति को नियंत्रित करने हेतु आगे आयें. किसी व्यक्ति विशेष या पूरी संस्था की गलती में चुप रहना भी बड़ी गलती है. यह लड़ाई कानूनी व राजनीतिक नहीं, वरन् वैचारिक एवं सैद्धांतिक है. दो विपरीत विचारों को सुलझा कर समाज की उज्ज्वल होती छवि की रक्षा करना बेहद जरूरी है. यह मुद्दा सिर्फ साहित्यिक नहीं, वरन् सामाजिक प्रतिष्ठा का भी है. इतिहास गवाह है कि किसी भी सामाजिक गलती का परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ा है तथा ऐसे मौकों पर समाज एकजुट होकर हमेशा लड़ा है. अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान पदाधिकारियों ने इसका विरोध करते हुए आंदोलन करने की बात बयान में कह भी दी है तथा इसके अलावा पूरे देश में साहित्यकारों ने अलग-अलग जगहों पर अपना विरोध दर्ज कराया है. हम सबका यह फर्ज बनता है कि इस मामले में चुप्पी न साध कर परिषद की स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में लगें तथा अंतराष्ट्रीय विद्यालय अविलंब बंद करने हेतु परिषद के इस मामले में सहभागी पदाधिकारियों से बात करें.

भारतीय भाषा परिषद विवाद

समाज की छवि को बचाना जरूरी : संदीप भूतोड़िया

कोलकाता, १६ जुलाई (सेस)। भारतीय भाषा परिषद के बारे में जो भी सूचना तमाम अखबारों के माध्यम से प्राप्त हुई है, उससे पूरे देश में कोलकाता के मारवाड़ी समाज की छवि धूमिल हुई है। कोलकाता मारवाड़ी समाज का मक्का है। महानगर की कई साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाएं इसी समाज की देन है एवं वर्तमान में भी यही समाज इनका संरक्षक भी है। पूर्वजों द्वारा स्थापित किसी भी लोक हितकारी संस्था का व्यावसायीकरण करना गलत है। यह कहना है अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन के युवा शाखा के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया का। एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि अखबारों के माध्यम से जो तथ्य सामने आये हैं अगर वह सत्य है तो यह सर्वथा अनुचित है कि अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय वहां चलता रहे। परिषद की कार्यकारिणी के कुछ सदस्यों के इस फैसले का कारण जो भी हो, इस विवादास्पद स्थिति के कारण आम लोगों को इस भावना को और प्रबलता मिलती है कि मारवाड़ी समाज सिर्फ व्यवसाय जानता है तथा 'बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपया' की कहावत अपनाता है। आज का युवा वर्ग के लिए भविष्य में इस छवि के साथ कि वो उस समाज से है जो सिर्फ पैसे को भाषा समझता है - सर उठाकर चलना बड़ा मुश्किल है। कोई भी संस्था कुछ व्यक्तियों की नहीं होती वरन पूरे समाज का उस पर हक बनता है और संस्था के पदाधिकारी अपने समाज के सामने पूरे जवाबदेह हैं। भाषा परिषद की स्थापना मारवाड़ी समाज के तत्कालीन अग्रजों ने की थी एवं अभीभी इसकी देखरेख मारवाड़ी समाज के व्यक्ति कर रहे हैं। अतएव मारवाड़ी समाज के वर्तमान अग्रजों को चाहिए कि स्थिति को नियंत्रण करने हेतु आगे आएं। किसी व्यक्ति विशेष या पूरी संस्था की गलती में चुप रहना भी बड़ी गलती है। यह लड़ाई कानूनी व राजनैतिक नहीं वरन वैचारिक एवं सैद्धांतिक है। दो विपरीत विचारों को सुलझा कर समाज को बदनाम होती छवि की रक्षा करना बेहद जरूरी है। यह मुद्दा सिर्फ साहित्यिक नहीं वरन सामाजिक प्रतिष्ठा की भी है। इतिहास गवाह है किसी भी सामाजिक गलती का परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ा है। तथा ऐसे मौकों पर समाज एकजुट होकर हमेशा लड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान पदाधिकारियों ने इसका विरोध करते हुए आंदोलन करने की बात बयान में कह भी दी है तथा इसके अलावा पूरे देश में साहित्यकारों ने अलग-अलग जगहों पर अपना विरोध दर्ज कराया है। हम सबका यह फर्ज बनता है कि इस मामलेमें चुप्पी न साधकर परिषद की स्थिति को नियंत्रित किया जाए तथा अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय अविलंब बंद करने हेतु परिषद के इस मामले के सहभागी पदाधिकारियों से बात की जाए।

छपते छपते, 16, जुलाई, 2004

भारतीय भाषा परिषद का व्यवसायीकरण सर्वथा अनुचित : संदीप भूतोड़िया

कोलकाता, 15 जुलाई। अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने आज एक वक्तव्य जारी करते हुए कहा कि भारतीय भाषा परिषद के बारे में जो भी सूचना तमाम अखबारों के माध्यम से प्राप्त हुई है, उससे पूरे देश में कोलकाता के मारवाड़ी समाज की छवि धूमिल हुई है। कोलकाता मारवाड़ी समाज का मक्का है। महानगर की कई साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाएं इसी समाज की देन है एवं वर्तमान में भी यही समाज इनका संरक्षक भी है। पूर्वजों द्वारा स्थापित किसीभी लोक हितकारी संस्था का व्यवसायीकरण करना गलत है। अखबारों के माध्यम से जो तथ्य सामने आये हैं अगर वह सत्य है तो यह सर्वथा अनुचित है कि अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय वहां चलता रहे। परिषद की कार्यकारिणी के कुछ सदस्यों के इस फैसले का कारण जो भी हो, इस विवादास्पद स्थिति के कारण आमलोगों की इस भावना को और प्रबलता मिलती है कि मारवाड़ी समाज सिर्फ व्यवसाय जानता है तथा बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया की कहावत अपनाता है। आज का युवा वर्ग के लिए भविष्य में इस छवि के साथ कि वो उस समाज से हैं जो सिर्फ पैसे की भाषा समझता है-सर उठाकर चलना बड़ा मुश्किल है। कोई भी संस्था कुछ व्यक्तियों की नहीं होती वरन पूरे समाज का उस पर हक बनता है और संस्था के पदाधिकारी अपने समाज के सामने पूरे जवाबदेह है। भाषा परिषद की स्थापना मारवाड़ी समाज के तत्कालीन अग्रजों ने की थी एवं अभी भी इसकी देखरेख मारवाड़ी समाज के व्यक्ति ही कर रहे हैं। अतएव मारवाड़ी समाज के वर्तमान अग्रजों को चाहिए कि स्थिति को नियंत्रण करने हेतु आगे आएं। किसी व्यक्ति विशेष या पूरी संस्था की गलती में चुप रहना भी बड़ी गलती है। अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान पदाधिकारियों ने इसका विरोध करते हुए आंदोलन करने की बात बयान में कह भी दी है तथा इसके अलावा पूरे देश में साहित्यकारों ने अलग-अलग जगहों पर अपना विरोध दर्ज कराया है। भूतोड़िया ने कहा कि हम सबका यह फर्ज बनता है कि इस मामले में चुप्पी न साध कर परिषद की स्थिति को नियंत्रित किया जाए तथा अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय अविलंब बंद करने हेतु परिषद के इस मामले के सहभागी पदाधिकारियों से बात की जाए।

छपते छपते, 16, जुलाई, 2004

इस तरह छवि न बिगाड़ें

भारतीय भाषा परिषद के बारे में जो भी सूचना तमाम अखबारों के माध्यम से प्राप्त हुई है, उससे पूरे देश में कोलकाता के मारवाड़ी समाज की छवि धूमिल हुई है। पूर्वजों द्वारा स्थापित किसी भी लोक हितकारी संस्था का व्यवसायीकरण करना गलत है। अखबारों के माध्यम से जो तथ्य सामने आए हैं अगर वह सत्य है तो यह सर्वथा अनुचित है कि अंतरराष्ट्रीय विद्यालय वहां चलता रहे। परिषद की कार्यकारिणी के कुछ सदस्यों के इस फैसले का कारण जो भी हो, इस विवादास्पद स्थिति के कारण आम लोगों की इस भावना को और प्रबलता मिलती है कि मारवाड़ी समाज सिर्फ व्यवसाय जानता है। आज के युवा वर्ग के लिए, भविष्य में इस छवि के साथ कि वह उस समाज से है जो सिर्फ पैसे की भाषा समझता है, सिर उठाकर चलना बड़ा मुश्किल होगा।

भाषा परिषद की स्थापना मारवाड़ी समाज के तत्कालीन अग्रजों ने की थी एवं अभी भी इसकी देखरेख मारवाड़ी समाज के व्यक्ति ही कर रहे हैं। इसलिए मारवाड़ी समाज के वर्तमान अग्रजों को चाहिए कि स्थिति को नियंत्रण करने हेतु आगे आएं। किसी व्यक्ति विशेष या पूरी संस्था की गलती में चुप रहना भी बड़ी गलती है। यह लड़ाई कानूनी व राजनैतिक नहीं वरन वैचारिक व सैद्धांतिक है। दो विपरीत विचारों को सुलझाकर समाज की बदनाम होती छवि की रक्षा करना बेहद जरूरी है। यह मुद्दा सिर्फ साहित्यिक नहीं वरन सामाजिक प्रतिष्ठा का भी है। इतिहास गवाह है कि किसी भी सामाजिक गलती का परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ा है तथा ऐसे मौकों पर समाज हमेशा एकजुट होकर लड़ा है। हम सबका यह फर्ज बनता है कि इस मामले में चुप्पी न साधकर परिषद की स्थिति को नियंत्रित किया जाए तथा अंतरराष्ट्रीय विद्यालय अविलंब बंद करने हेतु परिषद के इस मामले के सहभागी पदाधिकारियों से बात की जाए।

• संदीप भूतोड़िया
अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा
११, रवींद्र सरणी, कोलकाता

जनसत्ता, 16, जुलाई, 2004

रामनिवास मिश्र के सम्मान में महानगर में कई कार्यक्रम हुए। बाद में एसंबली में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य समेत कई लोग शामिल हुए। साहित्यकार व उद्योगपति डॉ प्रभा खेतान के निवास पर उनके सम्मान में चिंतन गोष्ठी हुयी। जिसमें उपस्थित थे हाशिम अब्दुल हलीम, प्रबोध चंद्र सिन्हा, सुधांशु शील, प्रदीप भट्टाचार्य, रोबिन देब, मिसेज हार्ट, सीताराम शर्मा, हरिप्रसाद बुधिया, विश्वंभर दयाल सुरेका, मदन चंद्र बामलवा, दिनेश वाजपेयी, भानीराम सुरेका, गीतेश शर्मा, विश्वंभर नेवर व संदीप भूतोड़िया।

जनमित्र टुडे, 16, जून, 2004

उद्योग के विकास पर ही देश की प्रगतिः बसु

कोलकाता : माकपा पोलित ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु का कहना है कि मनमोहन सिंह की सरकार देश के हर

अभिनंदन कमेटी की अध्यक्ष डॉ.प्रभा खेतान, शिशिर बाजोरिया, [illegible] अब्दुल हलीम व समारोह का संचालन करते कमेटी के संयोजक व युवा उद्योगपति संदीप भुतोड़िया।

वर्गों की समस्याओं को समझते हुए उन्हें नयी गति व दिशा प्रदान करेगी। श्री बसु स्थानीय ग्रेट इस्टर्न होटल में श्री सोमनाथ चटर्जी के अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। शहर की नामी गिरामी १०१ संस्थाओं की ओर से लोकसभा स्पीकर सोमनाथ चटर्जी का विधिवत अभिनंदन किया गया। बसु ने कहा कि केन्द्रिय सरकार देश के औद्योगिक विकास का पूरा ध्यान रखेगी। राज्य विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल ने कहा कि सोमनाथ चटर्जी देश को नयी रोशनी दिखायेंगे। समारोह की शुरुआत में अभिनंदन कमेटी की अध्यक्ष डॉ. प्रभा खेतान ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का पद काफी गरिमा वाला है। और श्री चटर्जी के नेतृत्व में देश काफी तरक्की करेगा। क्योंकि सोमनाथ बाबू के भीतर सारे गुण मौजूद हैं। स्वागताध्यक्ष शिशिर बाजोरिया ने कहा कि अनेकता में एकता ही भारत की पहचान है। और पश्चिम बंगाल इसका बेहतरीन उदाहरण है। बाजोरिया ने कहा कि यहां हर वर्ग के लोग मिलजुल कर रहते हैं। यह सबसे बड़ी मिसाल है। समारोह का संचालन कमेटी के संयोजक व युवा उद्योगपति संदीप भुतोड़िया ने बखूबी के साथ किया। श्री भुतोड़िया ने कहा कि सोमनाथ चटर्जी के पास काफी अच्छा अनुभव है। उनके पास धैर्य व योग्यता है। अतः वे कुशलता पूर्वक संसद का संचालन करेंगे।

जनमित्र टूडे, 16, जून, 2004

परिवर्तनकामी दौर में नारी की परिस्थिति का शोधपरक चित्रण

सृजन संदर्भ : विजय शंकर विकुज

इन दिनों नारी की परिस्थितियों पर विभिन्न तरह से विचारात्मक शोधपरक कार्य किये जा रहे हैं। इस प्रक्रिया में विगत और भविष्य का आकलन करने के साथ ही बदलते परिप्रेक्ष्य में उसकी स्थितियों को गौर किया जा रहा है। ऐसे ही अनेक संदर्भों में एक है बाजारवाद जहां महिलाओं की भूमिका प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण होती जा रही है। इसके बावजूद इस क्षेत्र में उसकी स्थिति क्या है, भूमिका महत्वपूर्ण होते हुये भी वह कितनी महत्वपूर्ण है, समाज की दृष्टि में वह क्या है और उसके संघर्ष में वह कितनी सफल है इत्यादि बातों पर चर्चा जरूरी हो गयी है। ऐसे ही विषयों में हिन्दी की चर्चित कहानीकार, कवि और चिंतक प्रभा खेतान की सद्य: प्रकाशित पुस्तक है **बाजार के बीच: बाजार के खिलाफ** (भूमंडलीकरण और स्त्री के प्रश्न)। इस पुस्तक में भूमंडलीकरण का नारी के जीवन पर प्रभाव और उसकी आज की स्थितियों पर शोधपरक आकलन किया गया है।

प्रभा खेतान हिन्दी की चर्चित लेखिका होने के साथ-साथ स्वयं एक व्यवसायी हैं और इस तरह से उनका सीधा संपर्क समाज के कई वर्गों के साथ बनता है। इस विषय में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने अपने अनुभवों को अपनी परख के साथ प्रस्तुत करते हुये प्रारंभ में ही लिखा है कि स्त्री पर किये गये शोध कार्य में उन्हें काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ा है। विषय पर पहले प्रश्न 'एक प्रस्तावाचों समय' में चर्चा करते हुये उन्होंने लिखा है कि भूमंडलीकरण के दौर में स्त्री की स्थितियों पर गौर करते हुये उन्होंने दो नजरियों को पकड़ा है, पहला शास्त्रीय तथा दूसरा उत्तर-आधुनिक। इन्हीं दोनों नजरियों के तुलनात्मक विश्लेषण के साथ उन्होंने निष्कर्ष निकालने की कोशिश भी की है। यह तो प्राकृतिक रूप से स्पष्ट है कि पुरुष और स्त्री एक-दूसरे के विपरीत लिंग हैं लिहाजा इन दोनों के बीच हमेशा से ही व्यवहार एवं कार्य में पार्थक्य रहा है या यह भी कहा जा सकता है कि रखा गया है। अब इसका कारण शारीरिक हो या मानसिक मगर आज वह दूरी सिमट रही है और नारी पुरुष के समकक्ष प्रमाणित हो रही है। नारी का यह सफर आगे बढ़ता हुआ बाजार में भी संघर्षमय भूमिका के रूप में सामने आता है। इस विषय में प्रभाजी ने लिखा है कि संभवत: नियंत्रित अर्थव्यवस्था से परिवर्तित होकर खुली अर्थव्यवस्था को अपनाने वाले भारत जैसे देश में स्त्री यदि उत्पीड़ित है तो वह सक्रिय एजेंट भी है। भूमंडलीकरण एवं स्थानीयकरण की प्रक्रिया न केवल स्त्री-पुरुष संबंधों को प्रमाणित करती है बल्कि एक नयी लैंगिक पहचान और भिन्नता को भी निर्मित करती है।

विषय के दूसरे आलेख 'श्रम के स्त्रीकरण की हकीकत' में आज महिलाओं की स्थिति पर विभिन्न कोणों से परख को सामने रखा गया है। यह तो स्पष्ट है कि आज महिलायें हर क्षेत्र में पुरुष के समानांतर कार्य कर रही हैं मगर महिलाओं को हमेशा ही किसी न किसी पुरुष प्रधान के पीछे चलना पड़ता है। परिवर्तन का झोंका तो आया है मगर इसमें अन्य बातों के साथ महिलाओं की स्थिति और भी कठिन हो गयी है। इस विषय में लेखिका का कहना है कि स्थापित ढांचों को तोड़कर स्त्री श्रमिक पुरुष श्रमिक की बराबरी में खड़े होने में असमर्थ है परिणामस्वरूप स्त्रियों को रोजगार के अवसर कम उपलब्ध हैं। कुछ ऐसे क्षेत्र जहां नयी तकनीक नियोजित है वहां अधिकतर स्त्रियों को दक्षता का दर्जा नहीं दिया जाता। इस संदर्भ में लेखिका ने भारत जैसे विकासशील देश के कई कारखानों तथा अपने ही वस्त्र उद्योग में महिलाओं की कार्य दक्षता और उसकी स्थिति की विवेचना भी है। इसके अलावा विकसित औद्योगिक देशों में करोड़ों स्त्रियां बेरोजगार हैं जबकि उनमें कार्य दक्षता है। यहां एक बात को विशेष रूप से गौर किया जाता है कि रोजगार करने वाली महिलाओं में पारिवारिक उत्तरदायित्व के मानसिक परिवर्तन का प्रभाव पूरे घर पर पड़ता है लिहाजा कई तरह की मजबूरियां और समस्यायें उसके सामने आ खड़ी होती हैं। इस क्षेत्र में विशेष रूप से निम्न वर्ग प्रभावित होता है। यहां लेखिका की दृष्टि स्पष्ट करती है कि निस्संदेह भारतीय समाज एक संक्रमणकालीन स्थिति से गुजर रहा है जिसे सबको झेलना पड़ रहा है और इसमें ज्यादा बोझ ढोने स्त्री वर्ग है।

पुस्तक में आखिरी आलेख 'बहुलतावादी रणनीति चाहिये' है। स्त्री के विषय में सभी स्थितियों-परिस्थितियों की पड़ताल उपरांत लेखिका का निष्कर्ष है कि वह आज भी पुरुष वर्ग के पीछे चल रही है। वैसे तो महिलाओं ने जहां भी संघर्ष किया है, वहां उसने भले ही मुकाम हासिल किया हो मगर व्यवसाय के केंद्र में प्राय: पुरुष की भूमिका (नेतृत्व) जरूरी हो जाती है। ऐसे ही कई कारणों से स्त्री कमजोर पड़ जाती है और उसे पुरुष को मार्गदर्शक के रूप में अपनाना पड़ता है। वह मानसिक रूप से पुरुष के उदारतावादी दृष्टिकोण से प्रभावित रहती है। इस क्षेत्र में लेखिका का दृष्टिकोण है कि आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों के बावजूद भूमंडलीय स्तर की राजनीति अपने-आप में उलझन भरी है। यह राजनीतिक यौनवाद से ग्रस्त है और इससे यह पता चलता है कि स्त्री अब भी पराधीन है। बाजार की शक्ति को स्थापित करने से स्त्री श्रम का जिंसीकरण हुआ है क्योंकि बाजार स्त्री श्रमिकों के जीवन में व्यवस्थात्मक रूप से हस्तक्षेप करता है। आज स्त्री हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभा रही है मगर वह प्रभावी हस्तक्षेप करने में असमर्थ है।

इस पुस्तक में अन्य आलेख हैं **यौनकर्म की कीमत, घुमड़ते हुये बादल** तथा **भोग और भोगा जाना**। इन आलेखों में भी नारी के जीवन और कार्यों का विभिन्न नजरिये से आकलन किया गया है और विश्व भर में नारी वर्ग के प्रति पुरुष वर्ग की मानसिकता और व्यवहार को स्पष्ट किया गया है। विश्व का इतिहास गवाह है कि पहले नारी को पुरुष की दासी समझा जाता था, उसे कड़े नियंत्रण में दबा कर रखा जाता था और उन्हें पुरुष वर्ग का हर आदेश मानने को मजबूर किया जाता था। उस दासता से उबरने के लिये नारी ने संघर्ष किया और सकारात्मक बात यह है कि पुरुष वर्ग के एक हिस्से ने भी उसका सहयोग दिया। यह परिवर्तन की धारा जब से बही हो मगर स्पष्ट है कि पुरुष वर्ग आज भी उससे अपने को श्रेष्ठ समझता है। नारी हर तरह से पुरुष से आगे निकल गयी हो मगर श्रेष्ठता की मानसिकता में वह पुरुष वर्ग से अभी भी पराजित है। इसका प्रभाव साहित्य, राजनीति, विज्ञान, श्रम इत्यादि से होते हुये आज भूमंडलीकरण के दौर में भी कायम है। प्रभा खेतान की इस पुस्तक में निस्संदेह एक अनसुलझे विषय पर गंभीर अध्ययन है। आज के बाजारवाद के फैलते प्रभाव और उसमें स्त्री की स्थिति के साथ जिस भवितव्य की कल्पना की गयी है, उस पर गंभीरता से विचार-विमर्श होना चाहिये। लेखिका ने समाज के बुद्धिजीवी वर्ग से यह आकांक्षा भी जाहिर की है। पुस्तक की छपाई और आवरण काफी आकर्षक है।

पुस्तक-बाजार के बीच: बाजार के खिलाफ
(भूमंडलीकरण और स्त्री के प्रश्न)
लेखिका- प्रभा खेतान
पृष्ठ-253
मूल्य-250 रूपये
प्रकाशक-वाणी प्रकाशन
21-ए, दरियागंज,
नयी दिल्ली-110002

छपते छपते ,25,जुलाई, 2004

बच्चों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों से

शुक्रवार को बंगाल के एक दिन के दौरे पर आये राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के विश्वभारती पहुंचने पर पारंपरिक ढंग से युवतियों ने उनका स्वाग

कोलकाता, 1 अक्तूबर : बंगाल दौरे पर आये राष्ट्रपति अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद बच्चों व संस्थाओं के प्रतिनिधियों से मिलना नहीं भूले. कार्यक्रम के अंत में एयरपोर्ट में ही उन्होंने आज कई लोगों से एकांत में मुलाकात की. मुलाकात के दौरान उन्होंने बच्चों को ऊंचे ख्वाब देखने व कड़ी मेहनत करने की सलाह दी. जैन संस्कृति संसद की ओर से अध्यक्ष तिलोकचंद डागा व संदीप भूतोड़िया ने राष्ट्रपति से मिल कर उन्हें भगवान महावीर व जैनाचार्य महाप्रज्ञ का स्मृति चिह्न भेंट किया. साथ ही भगवान महावीर पर लिखी पुस्तक भी उन्हें भेंट की गयी. इस अवसर पर श्री डागा व भूतोड़िया ने राष्ट्रपति से जैन समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करनेवाले लोगों के सम्मान समारोह में आकर उन्हें पुरस्कार प्रदान करने का आग्रह किया. इसे स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के बाद उन्हें सूचित करें. यदि कोलकाता में आने का उनका कार्यक्रम

बना तो वह अप
शामिल करेंगे. रा
आचार्य महाप्रज्ञ
लिखी जा रही पुस
तक पूरा हो जाये
मिलनेवालों में का
का रहनेवाला अ
परिजात दे भी शा
राष्ट्रपति की एक त
मार्च में भेजी थी.
कर वह काफी
परिजात ने उनसे

नोबेल का प्रतिरूप बनायेगी जर्मन कंपनी

शांतिनिकेतन : विश्वभारती विश्वविद्यालय के कुलपति ने राष्ट्रपति के दौरे के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि नोबेल पदक चोरी होने के बाद विवि की ओर से नोबेल फाउंडेशन स्वीडिश अकादमी को पत्र भेजा गया था, जिसमें नोबेल पदक का प्रतिरूप मांगा गया था. उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया था कि जर्मनी की एक कंपनी ने पदक का विवरण लेकर असली नोबेल पदक का प्रतिरूप तैयार करने में रुचि दिखायी है. जर्मनी की कंपनी ने चार माह बाद अपना जवाब हमें भेजा है. उसमें कंपनी ने पदक का प्रतिरूप तैयार करने की इच्छा जाहिर की है. इसके लिए कंपनी ने पदक का वजन व उसका रूप मांगा है, जिसे देख कर कंपनी विश्वविद्यालय के लिए पदक का प्रतिरूप तैयार करेगी.

प्रभात खबर ,2,अगस्त, 2004

मिले राष्ट्रपति

किया.

कार्यक्रम में इसे
ति ने बताया कि
संयुक्त रूप से
क अगले वर्ष जून
इस अवसर पर
साद के औजाजार
वीं कक्षा का छात्र
त था. परिजात ने
वीर बना कर उन्हें
उनकी तसवीर देख
भावित हुए थे.
मिलने की इच्छा

जाहिर की थी. इस दौर पर राष्ट्रपति आज उससे मिले. उन्होंने उसे अपना आटोग्राफ देते हुए यहां संदेश लिखा कि कड़ी मेहनत करोगे तो जीवन में सफल होओगे. जीवन में बड़ा बनने के लिए कठिन परिश्रम जरूरी है. वह अपने माता-पिता के साथ मिलने आया था. मिलनेवालों में रिसड़ा से आये राजकुमार शर्मा के मानसिक रूप से विकलांग पुत्र से भी हर्ष के साथ राष्ट्रपति मिले. गूंगे-बहरे बच्चों से भी राष्ट्रपति खुल कर मिले.

With Best Compliments From:-

PRABHA KHITAN FOUNDATION

1, A CAMAC COURT
25 B. CAMAC STREET
KOLKATA-700016

Phone :- 90332281, 6934
Fax :- 91332280, 2930
E-Mail :- e.b.c.. vsnl. Com

Sundeep Bhutorira
Trustee

चूरु एक्सप्रेस ,16,अगस्त, 2004

बुधवार को कलाकुंज में प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित मशहूर गायिका सविता महापात्र के आडियो कैसेट का लोकार्पण करते हुए पश्चिम बंगाल के परिवहन एवं क्रीड़ा मंत्री सुभाष चक्रवर्ती। पास ही चित्र में प्रभा खेतान फांउडेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भूतोड़िया, राज्य के राहत मंत्री नयन सरकार, अरुण पोद्दार, सविता महापात्र, विनय राय, राजेश बिहानी, राजकुमार शर्मा व दिनेश पाण्डेय परिलक्षित हैं। विश्वमित्र चित्र

सविता महापात्र के कैसेट का विमोचन

कोलकाता, २५ अगस्त (नि.प्र.)। संगीत की साधना में पिछले कई वर्षों से रत सविता महापात्र शहर के लिए एक परिचित शख्सियत हैं। आज कलामंदिर के कलाकुंज में इन्हीं सविता महापात्र द्वारा स्वरबद्ध कैसेट 'चैन मेरा' का विमोचन किया गया। कलाकुंज में आयोजित एक संगीत संध्या में राज्य के खेल एवं परिवहन मंत्री श्री सुभाष चक्रवर्ती ने इस कैसेट का विमोचन किया। श्री संदीप भूतोड़िया, राज्य के राहत एवं पुनर्वास मंत्री श्री नयन सरकार, बंगला फिल्म निर्माता निर्देशक श्री विमल राय, उद्योगपति श्री अरुण पोद्दार, कार्यक्रम में बतौर अतिथि उपस्थित थे। उपस्थित सभी अतिथियों ने अपना वक्तव्य देते हुए श्रीमती महापात्र को बधाई दी और उनकी सफलता की कामना की। अतिथियों के वक्तव्य के बाद श्रीमती सविता ने अपने मधुर स्वर में लोकार्पित कैसेट के कुछ गीत श्रोताओं के सम्मुख प्रस्तुत किए। चैन मेरा, शायराना प्यार का..., आजा माही रे-माही रे... आदि गीतों को सुनकर श्रोता वाह-वाह कर उठे। प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम 'एक प्रयास' श्रोताओं का मन जीतने में पूरी तरह से सफल रहा। श्रीमती महापात्र न केवल आकाशवाणी की चर्चित कलाकार हैं बल्कि इन्हें विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जा चुका है।

दैनिक विश्वमित्र ,26,अगस्त, 2004

पार्श्व गायिका सविता महापात्रा के नये ऑडियो कैसेट के विमोचन समारोह में बायें से अरुण पोद्दार, सविता महापात्र, संदीप भूतोड़िया, सुभाष चक्रवर्ती, विमल राय, नयन सरकार व अन्य

प्रभात खबर ,26,अगस्त, 2004

सविता के ऑडियो कैसेट का विमोचन

कोलकाता : प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में आज पश्चिम बंगाल के लोकप्रिय पार्श्व गायिका सविता महापात्रा के नये ऑडियो कैसेट का विमोचन राज्य के परिवहन मंत्री सुभाष चक्रवर्ती ने किया और कहा कि संगीत को दिल को सुकून पहुंचानेवाला एक सशक्त माध्यम है. इसे सुनने से मानसिक शांति मिलती है. उन्होंने कहा कि संगीत कुदरत की देन है, जो इसमें अपने-आप को रमा देते हैं, वह अपने साथ-साथ और लोगों को भी सुकून और शांति दिलाते हैं. इस अवसर पर नयन सरकार ने संगीत को व्यस्त जिंदगी में शांति भरे कुछ पल बीताने का माध्यम बताया. संदीप भूतोड़िया ने कहा कि संगीत मनुष्य के जीवन व प्रकृति के हर रंग में समाया है. इस अवसर पर उद्योगपति अरुण पोद्दार भी उपस्थित थे. सविता महापात्रा ने अपने कैसेट के मुख्य गीत को सुनाया. लोगों का स्वागत किया संस्था के अध्यक्ष राजेश बिहानी और संयुक्त संयोजक दिनेश पांडेय और राजकुमार शर्मा ने.

सविता के ऑडियो कैसेट का विमोचन

कोलकाता, २६ अगस्त (सेस)। प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में कल पश्चिम बंगाल के लोकप्रिय पार्श्व गायिका सविता महापात्रा के नये ऑडियो कैसेट का विमोचन राज्य के परिवहन मंत्री सुभाष चक्रवर्ती ने किया और कहा कि संगीत को दिल को सुकून पहुंचानेवाला एक सशक्त माध्यम है। इसे सुनने से मानसिक शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि संगीत कुदरत की देन है, जो इसमें अपने-आप को रमा देते हैं, वह अपने साथ-साथ और लोगों को भी सुकून और शांति दिलाते हैं। इस अवसर पर नयन सरकार ने संगीत को व्यस्त जिंदगी में शांति भरे कुछ पल बीताने का माध्यम बताया। संदीप भूतोड़िया ने कहा कि संगीत मनुष्य के जीवन व प्रकृति के हर रंग में समाया है। इस अवसर पर उद्योगपति अरुण पोद्दार भी उपस्थित थे। सविता महापात्रा ने अपने कैसेट के मुख्य गीत को सुनाया। लोगों का स्वागत किया संस्था के अध्यक्ष राजेश बिहानी और संयुक्त संयोजक दिनेश पांडेय और राजकुमार शर्मा ने।

सेवासंसार ,26,अगस्त, 2004

Sabita Mahapatra, Sandeep Bhutoria, Subhash Chakraborty, Bimal Roy and Nayan Sarkar were present during a cassette release function at Kala Kunj on Wednesday

SWAPAN KR PAL

TIMES OF INDIA ,28,AUGUST, 2004

कैमक स्ट्रीट स्थित पैंटालून में आयोजित साप्ताहिक महोत्सव के समापन समारोह में आयोजित परिचर्चा में भाग लेते हुए युवा समाजसेवी श्री संदीप भूतोड़िया, मनोचिकित्सक डा. रीमा मुखर्जी, फिल्म निर्देशिका सुदेशना राय, ओइन्द्रिना दत्त, काजल मुखर्जी। पास चित्र में श्री भूतोड़िया का स्वागत करती हुई पैन्टालून की पल्लवी सुरेका। - फोटो : विश्वमित्र

दैनिक विश्वमित्र ,12,सितंम्बर, 2004

विधानसभा अध्यक्षों से होगी सीधी बातचीत

प्रभा खेतान फाउण्डेशन प्रायोजित

कोलकाता, ७ अक्टूबर। महानगर में सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय संस्थान 'प्रभा खेतान फाउंडेशन' द्वारा आगामी मंगलवार १२ अक्टूबर को एक परिचर्चा एवं संवाद का आयोजन किया गया है। चर्चा का विषय है- 'कार्यपालिका की जिम्मेवारी संसद एवं विधानसभा के प्रति, चर्चा में भाग लेंगे तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष माननीय डॉ. के. कलिमुथु, असम के विधानसभा अध्यक्ष माननीय पृथ्वी मांझी, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष, माननीय माता प्रसाद पांड्या तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष, माननीय प्रेम प्रकाश। इस परिसंवाद गोष्ठी का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष माननीय सोमनाथ चटर्जी करेंगे एवं परिचर्चा की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष माननीय हाशिम अब्दुल हलीम करेंगे। होटल ताज बंगाल में सुबह ९ बजे से दो घंटों के लिए आयोजित इस परिचर्चा के अंत में श्रोतागण इस संदर्भ में विधानसभा अध्यक्षों से सवाल पूछ सकते हैं। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक द्वय प्रभा खेतान फाउण्डेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भूतोड़िया एवं इंडियन चेम्बर ऑफ कामर्स के पश्चिम बंगाल शाखा के अध्यक्ष श्री शिशिर बाजोरिया ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम सिर्फ आमंत्रित हेतु है तथा वर्तमान में लोकसभा एवं विधानसभा सत्रों में हुए व्यवधान के मद्देनजर इसका आयोजन किया गया है। आयोजन की खास बात यह है कि वक्ताओं में भारत के चार विभिन्न प्रांतों के विधानसभा अध्यक्षों चार अलग-अलग राजनैतिक विचारधारा से चुनकर अध्यक्ष मनोनीत हुए हैं। श्री मांझी, असम के कांग्रेस दल के सदस्य है एवं श्री माता प्रसाद पांड्या, उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी से चुन कर आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के श्री प्रेम प्रकाश जहां छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष हैं, वहीं तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. कलिमुथु का संबंध एआईडीएमके से है। कार्यक्रम में विख्यात साहित्यकार एवं प्रभा खेतान फाउण्डेशन की प्रबंध न्यासी डॉ. प्रभा खेतान भी उपस्थित रहेंगी। उल्लेखनीय है कि प्रभा खेतान फाउण्डेशन के द्वारा विगत में भी कई नामी-गिरामी लोगों से सीधे परिसंवाद का आयोजन किया जा चुका है।

दैनिक विश्वमित्र ,8, अक्टूबर , 2004

विधानसभा अध्यक्षों से सीधा संवाद

कोलकाता, 7 अक्टूबर। सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा मंगलवार को एक परिचर्चा का आयोजन किया गया है। विषय है- कार्यपालिका की जिम्मेवारी संसद एवं विधानसभा के प्रति चर्चा में भाग लेंगे तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष डा. के. कालिमुथु, असम के पृथ्वी मांझी, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष, माता प्रसाद पांडया तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष, प्रेम प्रकाश। इसका उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी करेंगे एवं अध्यक्षता राज्य विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम करेंगे।

महानगर के एक होटल में सुबह 9 बजे से आयोजित इस परिचर्चा के अंत में श्रोताओं के सवालों का विधानसभा अध्यक्ष जवाब देंगे। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक द्वय, प्रभा खेतान फाउण्डेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भूतोड़िया एवं इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पश्चिम बंगाल शाखा के अध्यक्ष श्री शिशिर बाजोरिया ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम का आयोजन वर्तमान में लोकसभा एवं विधानसभा सत्रों में हुए व्यवधान के मद्देनजर किया गया है। कार्यक्रम में प्रभा खेतान फाउण्डेशन की प्रबंध न्यासी डा. प्रभा खेतान भी उपस्थित रहेंगी।

छपते छपते ,8, अक्टूबर , 2004

विधानसभा अध्यक्षों से होगी सीधी बात

प्रभा खेतान फाउंडेशन की परिचर्चा 12 को

कोलकाता, 7 अक्तूबर : सामाजिक संस्था प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा 12 अक्तूबर को एक परिचर्चा एवं संवाद का आयोजन किया गया है. चर्चा का विषय है : *कार्यपालिका की जिम्मेवारी संसद एवं विधानसभा के प्रति.* चर्चा में भाग लेंगे, तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष डॉ के कालिमुथु, असम विधानसभा अध्यक्ष पृथ्वी मांझी, उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडया व छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश. इस परिसंवाद गोष्ठी का उद्घाटन लोकसभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी करेंगे एवं परिचर्चा की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम करेंगे. होटल ताज बंगाल में सुबह नौ बजे से दो घंटों तक आयोजित इस परिचर्चा के अंत में श्रोतागण इस संदर्भ में विधानसभा अध्यक्षों से सवाल पूछ सकेंगे.

कार्यक्रम के संयुक्त संयोजकद्वय, प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया एवं इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के राज्य शाखा के अध्यक्ष शिशिर बाजोरिया ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम सिर्फ आमंत्रित लोगों के लिए है तथा वर्तमान में लोकसभा एवं विधानसभा सत्रों में हुए व्यवधान के मद्देनजर इसका आयोजन किया गया है. आयोजन की खास बात है कि वक्ताओं में भारत के चार विभिन्न प्रांतों के विधानसभा अध्यक्ष, चार अलग-अलग राजनीतिक विचारधारा से चुन कर अध्यक्ष मनोनीत हुए हैं. श्री मांझी, असम के कांग्रेस दल के सदस्य हैं एवं. माता प्रसाद पांडया, उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी से चुन कर आये हैं. भारतीय जनता पार्टी के प्रेम प्रकाश, जहां छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष हैं, वहीं तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष डॉ कालिमुथु का संबंध एआइडीएमके से है. कार्यक्रम में साहित्यकार एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी डॉ प्रभा खेतान भी उपस्थित रहेंगी.

प्रभात खबर ,8, अक्टूबर , 2004

विधानसभा अध्यक्षों से सीधी बात

कोलकाता, ७ अक्टूबर। प्रभा खेतान फाउंडेशन ने १२ अक्टूबर को 'कार्यपालिका की जिम्मेदारी संसद एवं विधानसभा के प्रति' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया है। आयोजित परिचर्चा में तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष के कालिमुथु, असम विधानसभा के अध्यक्ष पृथ्वी माझी, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष माता प्रसाद और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश शिरकत करेंगे। परिचर्चा गोष्ठी का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी करेंगे। परिचर्चा की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हालिम करेंगे। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक प्रभा खेतान, फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया और इंडियन चेम्बर ऑफ कामर्स पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष शिशिर बाजोरिया हैं।

सन्मार्ग ,8, अक्टूबर , 2004

Speakers' meet on October 12

TIMES NEWS NETWORK

Kolkata: Assembly Speakers from four different states will come together to share a common platform during their visit to Kolkata.

On October 12 at Taj Bengal, assembly speakers from Assam, UP, Chattisgarh and Tamil Nadu will come together to speak and interact with viewers on the topic: 'Executives accountability to the legislature — Parliament/Assembly's role.'

Organised by the Prabha Khaitan Foundation, the panel discussion cum interactive session is the first of it's kind event being held in the city, claim organisers. For the first time, speakers from different parts of the state and representing different parties will come together to voice their views on the issue, stated Foundation's trustee and convener of the event Sundeep Bhutoria.

According to him, "We wanted to provide a platform for speakers of various state assemblies and the common man to interact and share their views about the state of Parliament and state assemblies, which is witness to regular disruptions and chaos in the recent past."

THE TIMES OF INDIA ,9, OCTOBER , 2004

Question hour for speakers

HT Correspondent
Kolkata, October 8

WHY ARE rowdy scenes so common in our Houses? Are the disruptions worth the money wasted due to it?

These and many such uncomfortable posers are in store for presiding officers of Legislative Assemblies of six states when they take part at a panel discussion open to the public on "Executive's accountability to the legislature — Parliament and Assemblies' role" on Tuesday.

The panel discussion, which will be inaugurated by Lok Sabha speaker Somnath Chatterjee and presided over by West Bengal speaker Hashim Abdul Halim, will be attended by speakers Prithibi Majhi (Assam), Mata Prasad Pandya (Uttar Pradesh), Prem Prakash Panday (Chhattisgarh), K. Kalimuthu (Tamil Nadu) and Jammu & Kashmir deputy speaker Akbar Gani Lone.

"The participants will cover a wide range of the political spectrum," said Sundeep Bhutoria, trustee of the Prabha Khaitan Foundation that's organising the event.

"Halim is from the CPI(M), Majhi from the Congress, Pandya from the Samajwadi Party, Panday from the BJP, Kalimuthu from the AIADMK and Lone from the National Conference. People from a cross-section of society — diplomats, leaders of the chambers of commerce, representatives of NGOs that work at the grassroots level, bureaucrats, educationists, writers and editors of newspapers have been invited."

"We often hear about disruptions in Parliament and Assemblies and that a lot of money is wasted due to such disruptions. The presiding officers of these legislative bodies often plead helplessness. Also, there have been reports of the executive bypassing the legislature or ignoring it," said Bhutoria.

The purpose behind the panel discussion, he explained, is to make the speakers parry questions on these vital topics from the public. "The public never get a chance to question the speakers. The discussion will give them a chance to do so for the first time."

HINDUSTAN TIMES, 9, OCTOBER, 2004

विधानसभा अध्यक्षों हेतु प्रश्नकाल

कोलकाता, ११ अक्टूबर (नि.प्र.)। महानगर में सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय संस्थान 'प्रभा खेतान फाउन्डेशन' द्वारा एक परिचर्चा एवं संवाद का आयोजन स्थानीय होटल ताज बंगाल में प्रातः ९ बजे किया गया है। चर्चा का विषय है- कार्यपालिका की जिम्मेवारी संसद एवं विधानसभा के प्रतिचर्चा में भाग लेंगे कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष माननीय टी० रामकृष्णन, केरल विधानसभा के अध्यक्ष माननीय कृष्णा, असम के विधानसभ अध्यक्ष माननीय पृथ्वी मांझी, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष, माननीय माता प्रसाद पांडया तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष, माननीय प्रेम प्रकाश।

इस परिसंवाद गोष्ठी का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष माननीय सोमनाथ चटर्जी करेंगे एवं परिचर्चा की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष माननीय हाशि अब्दुल हाशिम करेंगे। होटल ताज बंगाल में सुबह ९ बजे से दो घंटों के लिए आयोजित इस परिचर्चा के अंत में श्रोतागण इस संदर्भ में विधानसभ अध्यक्षों से सवाल पूछ सकते हैं। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक द्वय, प्रभा खेतान फाउन्डेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भुतोड़िया एवं इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पश्चिम बंगाल शाखा के अध्यक्ष श्री शिशिर बाजोरिया ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम सिर्फ आमंत्रित हेतु है तथा वर्तमान में लोकसभा एवं विधानसभा सत्रों में हुए व्यवधान के मद्देनजर इसका आयोजन किया गया है। आयोजन की खास बात यह है कि वक्ताओं में भारत के पांच विभिन्न प्रांतों के विधानसभ अध्यक्षों चार अलग-अलग राजनैतिक विचारधारा से चुनकर अध्यक्ष मनोनीत हुए हैं। श्री मांझी, आसाम के कांगेस दल के सदस्य है एवं श्री माता प्रसाद पांडया, उत्तरप्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी से चुन कर आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के श्री प्रेम प्रकाश जहां छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष हैं, वहीं कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष का संबंध जनता दल से तथा केरल विधानसभा अध्यक्ष कृष्णा कांग्रेस से है।

कार्यक्रम में विख्यात साहित्यकार एवं प्रभा खेतान फाउन्डेशन की प्रबंध न्यासी डॉ. प्रभा खेतान भी उपस्थित रहेंगी। कई राजनयिकों, उद्योगपतियों तथा राजनीतिज्ञों ने इस कार्यक्रम में आने की अपनी सहमति दी है। उल्लेखनीय है कि प्रभा खेतान फाउन्डेशन के द्वारा विगत में भी कई नामी-गिरामी लोगों से सीधे परिसंवाद का आयोजन किया जा चुका है।

दैनिक विश्वमित्र ,12,अक्टूबर, 2004

प्रभा खेतान फाउंडेशन की परिचर्चा आज

कोलकाता : सामाजिक संस्थान प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आज (12 को) परिचर्चा एवं संवाद का आयोजन होटल ताज बंगाल में प्रातः नौ बजे से किया जायेगा. परिचर्चा का विषय है : *कार्यपालिका की जिम्मेदारी संसद एवं विधानसभा के प्रति*. चर्चा में भाग लेंगे कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष टी रामकृष्णन, केरल विधानसभा के अध्यक्ष कृष्णा, असम के विधानसभा अध्यक्ष -पृथ्वी मांझी, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष माता प्रसाद पांडया व छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश. परिसंवाद गोष्ठी का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी करेंगे व परिचर्चा की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम करेंगे. परिचर्चा के अंत में श्रोतागण विधानसभा अध्यक्षों से सवाल पूछ सकेंते हैं. कार्यक्रम के संयुक्त संयोजकद्वय प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया एवं इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष शिशिर बाजोरिया ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम सिर्फ आमंत्रित हेतु है व वर्तमान में लोकसभा एवं विधानसभा सत्रों में हुए व्यवधान के मद्देनजर इसका आयोजन किया गया है. कार्यक्रम में साहित्यकार एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी डॉ प्रभा खेतान भी उपस्थित रहेंगी. कई राजनयिकों, उद्योगपतियों तथा राजनीतिज्ञों ने इस कार्यक्रम में आने की अपनी सहमति दी है. यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गयी है.

प्रभात खबर ,12,अक्टूबर, 2004

कार्यपालिका की विधायिका के प्रति जिम्मेवारी पर संगोष्ठी आज

कोलकाता, ११ अक्तूबर (काप्र)। प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा होटल ताज बंगाल में १२ अक्तूबर को दिन के नौ बजे एक परिचर्चा का आयोजन किया गया है। परिचर्चा का विषय है– कार्यपालिका की विधायिका के प्रति जिम्मेवारी, संसद तथा विधानसभा के संदर्भ में। कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी करेंगे।

गोष्ठी की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम करेंगे। परिचर्चा में असम विधानसभा के अध्यक्ष पृथ्वी मांझी, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष माता प्रसाद पांडया, छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय व तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष डा. के कालिमुथु भाग लेंगे। यह जानकारी फाउंडेशन की ओर से जारी विज्ञप्ति में दी गई।

जनसता ,12,अक्टूबर, 2004

कार्यपालिका व विधायिका के दायित्व पर सफल परिचर्चा

प्रभा खेतान फाउंडेशन का अभिनव आयोजन

बायें से संदीप भुतोड़िया, माता प्रसाद पांड्या (अध्यक्ष उ. प्र. विधानसभा), मि. कृष्णा (कर्नाटक), शिशिर बाजोरिया, हासिम अब्दुल हलीम (प. बंग वि. स. अध्यक्ष) सोमनाथ चटर्जी (लोकसभाध्यक्ष), प्रेम प्रकाश पांडे (वि. स. अध्यक्ष छत्तीसगढ़), टी रामाकृष्ण (अध्यक्ष वि. स. केरल) एवं डा. प्रभा खेतान।

कोलकाता, 12 अक्टूबर (संवाददाता)। आज प्रातः ताज बंगाल के क्रिस्टल रुम में 'कार्यपालिका की विधायिका के प्रति जिम्मेवारी' विषयक एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने कहा कि आज संसद व विधानसभाओं में जन प्रतिनिधियों के आचरण पर सवाल उठने लगे हैं। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका अगर अपराधों के मामलों का शीघ्र फैसला कर सके तो अपराधी छवि वाले प्रतिनिधियों के चुने जाने में लगाम लगेगी। श्री चटर्जी ने कहा कुछ कमजोरियों एवं खामियों के बावजूद भारत में संसदीय प्रणाली शक्तिशाली हुई है। राज्य विधानसभा के अध्यक्ष श्री हासीम अब्दुल हलीम ने कहा कि विधायिका के अधिकारों की रक्षा हर हाल में होनी चाहिए। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि लोक लेखा समिति की रिपोर्ट एवं कार्रवाई जानने का पहला हक विधायिका को है। प्रेस स्वतंत्रता के हामी होने के बावजूद उन्हें हर मामले में प्राथमिकता नहीं मिल सकती।

इस परिचर्चा में उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पांड्या, छत्तीसगढ़ वि. स. के अध्यक्ष श्री प्रेम प्रकाश पांडे, कर्नाटक के अध्यक्ष श्री कृष्णा तथा तमिलनाडु वि. स. के अध्यक्ष डा. के. कालिमुथु आदि ने भी विधायिका एवं कार्यपालिका के अधिकारों, शून्य काल के महत्व आदि पर प्रकाश डाला।

प्रभा फाउंडेशन की ओर से श्रीमती प्रभा खेतान ने सभी अतिथियों को प्रतीक चिह्न देकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम भाषण दिया न्यासी श्री संदीप भुतोड़िया ने।

छपते छपते 13,अक्टूबर , 2004

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा मंगलवार को होटल ताज बंगाल में आयोजित परिचर्चा का दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी। साथ में हैं छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक तथा केरल विधानसभा के अध्यक्ष क्रमशः प्रेमप्रकाश पांडेय, माता प्रसाद पांडेय, हाशिम अबुल हलीम, श्री कृष्णा, टी. रामकृष्णन तथा प्रभा खेतान फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी डॉ. प्रभा खेतान। विश्वमित्र

स्पीकर निष्पक्ष हों : चटर्जी

कोलकाता, १२ अक्टूबर (नि.प्र.)। लोकसभा तथा विधानसभा अध्यक्षों का निष्पक्ष होना जरूरी है। वे चाहे जिस भी पार्टी से चुनकर आते हों पीठासीन अधिकारी की कुर्सी पर बैठने के बाद उनकी भूमिका व्यापक हो जाती है। सदन के कामकाज में निष्पक्षता व सभी सदस्यों को अपने सवाल पूछने का मौका देनी उनकी वरीयता होती है। इस पर वह व्यक्ति पार्टीगत नीतियों से ऊपर उठ जाता है। सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही तथा सदन के कामकाज में पारदर्शिता अध्यक्ष की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसका स्पीकर को ध्यान रखना चाहिए।

ये बातें लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने 'प्रभा खेतान फाउंडेशन' द्वारा आज यहां होटल ताज बंगाल में आयोजित परिचर्चा का उद्घाटन करते हुए कहीं। कार्यपालिका की जिम्मेदारी, विषयक परिचर्चा में बोलते हुए श्री चटर्जी ने कहा कि कार्यपालिका एवं सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। उनकी जिम्मेदारी तथा सदस्यों द्वारा उनसे जवाब मांगने के लिए संविधान में पर्याप्त व्यवस्था है। निष्पक्ष तथा जवाबदेह कार्यपालिका पर जोर देते हुए श्री चटर्जी ने कहा कि सरकार को जवाबदेह बनाये रखने में स्पीकर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसका उन्हें निष्पक्षता पूर्वक पालन करना चाहिए। परिचर्चा में पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, कर्नाटक के विधानसभा अध्यक्ष टी. रामकृष्णन, केरल विधानसभा के अध्यक्ष श्री कृष्णा, उत्तरप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष माताप्रसाद पांडेय तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय ने भी वक्तव्य रखा। प्रभा खेतान फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी डॉ. प्रभा खेतान ने स्वागत भाषण करते हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। श्री शिशिर बाजोरिया ने परिचर्चा का संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन श्री सीताराम शर्मा ने किया।

देश में पहली बार इस प्रकार का आयोजन जिसमें पांच राज्यों के अलग-अलग पार्टी के एक मंच पर लाने का श्रेय कार्यक्रम के संचालक उद्योगपति श्री शिशिर बारोरिया, प्रभा खेतान फाउंडेशन के न्यासी श्री संदीप भूतोड़िया को जाता है। आगत अतिथियों को रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा श्री तिलोक चंद डागा, श्री राजेश बिहानी, श्री बजरंग मोदी, श्री राजकुमार शर्मा आदि ने प्रदान की। कार्यक्रम में श्री हर्ष नेवटिया, अभिजीत सेन, विश्वम्भर दयाल सुरेका, श्रीचंद नाहटा, उत्तम सेनगुप्ता, विश्वम्भर नेवर, राजीव बागची, विधायक रविन देव, कनिका गांगुली के साथ जापान, जर्मन, रूस, नेपाल के वाणिज्य महादूत उपस्थित थे।

दैनिक, विश्वमित्र, 13, अक्टूबर 2004

परिवर्तन के लिए सरकार भी बदल देती है जनता : सोमनाथ

प्रभा खेतान फाउंडेशन की ओर से संगोष्ठी का आयोजन

प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी. साथ में उप्र विस के अध्यक्ष माता प्रसाद पांड्या, छत्तीसगढ़ विस के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, केरल विस के अध्यक्ष टी रामकृष्णा, कर्नाटक विस अध्यक्ष कृष्णा व बंगाल विस के अध्यक्ष एचए हलीम व अन्य. तसवीर विजय बागुई की.

कोलकाता, 12 अक्तूबर : भारत के लोग बहुत जागरूक हैं. लोगों को जब परिवर्तन की जरूरत महसूस होती है, तब सरकार बदल देते हैं. यह कहना है लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का. वह आज प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि जब कोई नेता विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर होता है, तो वह अपनी पार्टी को भूल कर संवैधानिक गरिमा के अनुसार काम करता है. हम लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां जनता के हाथ में सबकुछ है. वह अपने प्रतिनिधि चुन कर भेजती है, इसलिए जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वे हमेशा जनता के हितों को ध्यान में रखें.

उन्होंने कहा कि जनता के हित के लिए संसद या विधानसभा में पूछे गये किसी भी सवाल का जवाब देने से कोई भी मंत्री मना नहीं कर सकता है. लेकिन सदन में भी समय सीमा होती है. इसलिए जनता से जुड़े सवालों के जवाब देने के लिए अन्य रास्ते अपनाये जाते हैं. सरकार जो भी निर्णय या काम करती है, वह संसद के अधिकार क्षेत्र के बाहर नहीं होता है. हर सरकार व मंत्री उनके प्रति जवाबदेह होता है. लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि इसके लिए जनता को भी सचेत रहने की आवश्यकता है. जनता को चाहिए कि वह अपने चुने हुए प्रतिनिधि से जवाब-तलब करें. लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों से नहीं बच सकता है.

कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष श्री कृष्णा ने कहा कि जब तक पार्टियां अपनी जिम्मेदारी बेहतर ढंग से नहीं निभायेंगी, तब तक किसी अन्य से आशा करना बेमानी है. देश में काला धन, भ्रष्टाचार व जनसंख्या वृद्धि जैसी समस्याओं से निपटना जरूरी है. उन्होंने कहा कि 55 साल बीत जाने के बाद भी अब तक लोकपाल विधेयक पारित नहीं हो सका है. चुनावों में जिस तरह से धन व बाहुबल का प्रयोग होता है, उसपर रोक लगनी चाहिए.

उन्होंने कहा कि सदन या विधानसभा में मंत्रियों द्वारा दिये गये आश्वासन को पूरा करना अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए. उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष माता प्रसाद पांड्या ने कहा कि कार्यपालिका हर हाल में विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है. किसी जनप्रतिनिधि द्वारा पूछे गये सवाल का असंगत उत्तर देने पर मंत्री को माफी भी मांगनी पड़ती है. उन्होंने कहा कि आश्वासन समिति को अनिवार्य बनाना ठीक नहीं होगा, इससे कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं. छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने कहा कि विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका का समन्वय लोकतंत्र की आत्मा है. तमाम कमियों के बावजूद भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया सर्वोत्तम है. संगोष्ठी का संचालन राज्य विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम ने किया. डॉ प्रभा खेतान ने अतिथियों का स्वागत किया.

प्रभात खबर13,अक्टूबर , 2004

प्रश्नकाल की अवधि बढ़ाने के पक्ष में हैं स्पीकर

कोलकाता, १२ अक्टूबर (न.प्र.)। लोकसभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने कहा है कि संसद व विधानसभाओं के प्रश्नकाल की अवधि बढ़ायी जानी चाहिए जिससे सदस्यों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उठाने का मौका मिल सके। इसके लिए वर्तमान व्यवस्था के तहत एक घंटे का समय कम है। आज प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सदन में स्पीकर की भूमिका निरपेक्ष होती है। वह किसी पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं करता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के स्पीकर माता प्रसाद पांडेय, छत्तीसगढ़ विधानसभा के स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडेय, कर्नाटक के स्पीकर टी.रामकृष्णन आदि ने इस अवसर पर अपने विचार रखे। अध्यक्षता पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम ने की। स्वागत भाषण डॉ. प्रभा खेतान ने किया।

सन्मार्ग ,13,अक्टूबर , 2004

राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के हाल ही में कोलकाता आगमन पर युव उद्योगपति व समाजसेवी श्री संदीप भूतोड़िया एवम् जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा राष्ट्रपति के साथ परिलक्षित हैं।

दैनिक विश्वमित्र ,15,अक्टूबर , 2004

महामहिम राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम के साथ जैन संस्कृति संसद अध्यक्ष तिलोकचंद डागा व सुपरिचित युवा उद्योगपति व समाजसेवी संदीप भुतोड़िया एक भेंटवार्ता के दौरान।

सन्मार्ग ,15,अक्टूबर , 2004

Somnath Chatterjee

BD Sureka and Prabha Khaitan

Kenji Shimizu

Erhard Zander

Tea and high talk

It can be some conversation over early morning tea followed by a seminar but the state's industrialists, diplomats and Speakers from all over India don't lose a chance to discuss and debate over the current industrial, social and political scenario in India. "This is really interesting and encouraging that Kolkata's image has changed drastically over the last few years and everybody is talking about how fast the city is changing, for good of course," said industrialist Sishir Bajoria. Others of course agreed wholeheartedly. Industrialist **Harsh Neotia** made a point to be there for early morning tea, so did industrialist **BD Sureka. Hasim Abdul Halim**, Speaker of State Assembly and Lok Sabha Speaker, the veteran **Somnath Chatterjee**, were also conspicuous with their presence. Chatterjee seemed to be in a sombre mood. The Speakers from six states came together that included **T Ramakrishnan** from Kerala and **Prem Prakash** from Chattisgarh among others. They were seen sitting around and discussing the burning issues of the day and enjoying the morning cuppa.

Mata Prasad Pandya

Harsh, Sundeep and Sishir share some thoughts

Prem Prakash Pandey

CALCUTTA TIMES OF INDIA ,15,OCTOBER, 2004

स्पीकर निष्पक्ष हों : चटर्जी

कोलकाता, १५ अक्टूबर। लोकसभा तथा विधानसभा अध्यक्षों का निष्पक्ष होना जरूरी है। वे चाहे जिस भी पार्टी से चुनकर आते हों सिंहासीन अधिकारी की कुर्सी पर बैठने के बाद उनकी भूमिका व्यापक हो जाती है। सदन के कामकाज में निष्पक्षता व सभी सदस्यों को अपने सवाल पूछने का मौका देना उनकी वरीयता होती है। इस पर वह व्यक्ति पार्टीगत नीतियों से ऊपर उठ जाता है। सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही तथा सदन के कामकाज में पारदर्शिता अध्यक्ष की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसका स्पीकर को ध्यान रखना चाहिए। ये बातें लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा आज यहां होटल ताज बंगाल में आयोजित परिचर्चा का उद्घाटन करते हुए ककही। कार्यपालिका की जिम्मेदारी, विषयक परिचर्चा में बोलते हुए श्री चटर्जी ने कहा कि कार्यपालिका एवं सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। उनकी जिम्मेदारी तथा सदस्यों द्वारा उनसे जवाब मांगने के लिए संविधान में पर्याप्त व्यवस्था है। निष्पक्ष तथा जवाबदेह कार्यपालिका पर जोर देते हुए श्री चटर्जी ने कहा कि सरकार को जवाबदेह बनाये रखने में स्पीकर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसका उन्हें निष्पक्षतापूर्वक पालन करना चाहिए।

परिचर्चा में पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, कर्नाटक के विधानसभा अध्यक्ष टी. रामकृष्णन, केरल विधानसभा के अध्यक्ष श्री कृष्णा, उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने भी वक्तव्य रखा। प्रभा खेतान फाउण्डेशन की प्रबंध न्यासी डॉ. प्रभा खेतान ने स्वागत भाषण करते हुए अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किया। श्री शिशिर बाजोरिया ने परिचर्चा का संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन श्री सीताराम शर्मा ने किया। देश में पहली बार इस प्रकार का आयोजन जिसमें पांच राज्यों के अलग- अलग पार्टी के एक मंच पर लाने का श्रेय कार्यक्रम के संचालक उद्योगपति श्री शिशिर बाजोरिया, प्रभा खेतान फाउण्डेशन के न्यासी श्री संदीप भुतोड़िया को जाता है।

आगत अतिथियों को रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा श्री तिलोकचंद डागा, श्री राजेश बिहानी, श्री बजरंग मोदी, श्री राजकुमार शर्मा आदि ने प्रदान की।

कार्यक्रम में श्री हर्ष नेवटिया, अभिजीत सेन, विश्वम्भर दयाल सुरेका, श्रीचंद नाहटा, उत्तम सेनगुप्ता, विश्वम्भर नेवर, राजीव बागची, विधायक राबिन देब, कनिका गांगुली के साथ जापान, जर्मन, रूस नेपाल के वाणिज्य महादूत उपस्थित थे।

युवा उद्योगपति व समाजसेवी संदीप भुतोड़िया व शिशिर बाजोरिया के संयुक्त संयोजन में प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा संगोष्ठी के अवसर पर होटल ताज बंगाल में लिये गये चित्र में राजकुमार शर्मा, राजेश बिहानी, संदीप भुतोड़िया, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष कृष्णा, शिशिर बाजोरिया, हाशिम अब्दुल हलीम, लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश, केरल विधानसभा अध्यक्ष टी. रामाकृष्णन, फाउण्डेशन की प्रबंध न्यासिका डा. प्रभा खेतान व तिलोकचन्द डागा।

सन्मार्ग 16, अक्टूबर 2004

राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के हाल ही में कोलकाता आगमन पर युवा उद्योगपति व समाजसेवी श्री संदीप भूतोड़िया एवं जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा राष्ट्रपति के साथ परिलक्षित हैं।

छपते छपते, 16, अक्टूबर, 2004

Dandiya dash

Calcutta Times catches model Tanushree as she gets into the perfect remix mode for the season

Authenticity joins hands with the remixes to create the perfect beat for the nine nights

SHRADHA AGARWAL
Times News Network

From its modest beginning in venues such as residential terraces of Teretti Bazaar, Mandin Mansion, Tulsi Bhawan and Gandhi Building *raas-utsav* celebrations have indeed come a long way in this city. Stadia, clubs, marriage halls, lawns, community centres and five-stars, *dandiyas* seem to have reached everywhere. Said Sundeep Bhutoria, who organised the first-ever *dandiya* in a city five-star hotel, "It was the millennium *raas-utsav*, the grandest *dandiya* event ever. What's more, it's the only event where donning traditional outfits were made compulsory."

Dandiyas haven't looked back since then, with each year bringing in more professionalism. And this lovely *navratri* of colours and celebration is not restricted to the 40,000-45,000 strong Gujarati population in the city alone. It has caught the fancy of other communities too. Disco, rain or theme *dandiya* — there is absolutely no dearth of ideas. And to make it more interesting, celebrity guests are flown in especially to be a part of such functions. The choice depends upon who the flavour of the season is, which in turn depends on the television TRPs. The *saas* or the *bahu*, sometimes the dutiful son, they are all in high demand.

STICK TO THE STEP

However, event managers feel that it's the music troupes who are more important. Says Dikshit Poddar, an event manager, "Celebs are fine to attract initial crowd but at the end of the day, it's the performance of a live band, preferably an authentic Gujarati one, that gets the show going." Agrees Sanjay Bhandari, another event manager, "Music is the most important aspect of a *dandiya* and the latest trend is a combination of traditional and disco, unlike the previous all-disco craze. An ethnic band usually alternates with a DJ playing pre-recorded hits. That's the best way to get the best of both." Agrees Manoj Tolia, President of the Gujarat Club of Calcutta, "We have been organising *dandiyas* for over 75 years and surely the traditional value is diminishing day by day. The folk feel is fast being blended with the remix-disco culture. Hence it's a mixture of both."

Says DJ Akash, "Contrary to popular belief, *dandiya* is not all about remixes alone. An ideal *dandiya* beat is great at 120 beats-per-minute for a novice, though a seasoned dancer can do well with 90 bpm even, since it's difficult to dance dandiya to a slow beat." And if you thought that dandiyas are all play and no work then there's news. Says enthusiast Nicky Trivedi, "I'm a regular at the Payal *dandiya*. A nine night-long affair, this event is a heavy duty competition where we compete for the prestigious champion of the champions trophy."

shradha.agarwal@timesgroup.com

THE TIMES OF INDIA, 16, OCTOBER, 2004

कोलकाता, 19 अक्तूबर, 2004 मंगलवार

प्रभात खबर

इराक पर थोपा गया युद्ध असंवैधानिक था : सोमनाथ

कोलकाता, 18 अक्तूबर : विश्व के कुछ देश अपने आपको सर्वश्रेष्ठ साबित करने में जुटे हुए हैं. साथ ही अपने आपको विश्व का पहरेदार भी बता रहे हैं. अपनी नीतियां संपूर्ण विश्व पर थोपना चाहते हैं. यह कहना है लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का. वह आज वेस्ट बंगाल फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस एशोसिएशंस द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में बोल रहे थे. श्री चटर्जी ने कहा कि कुछ देश संपूर्ण विश्व के देशों को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि वह क्या करें और क्या न करें. श्री चटर्जी ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए, बल्कि सारे विश्व के लिए एक ही नीति होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि इराक पर युद्ध किस नीति के तहत थोपा गया, यह समझ में नहीं आता, जबकि संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों के अनुसार यह युद्ध असंवैधानिक था. उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि इराक पर युद्ध के लिए संयुक्त राष्ट्र ने इजाजत नहीं दी थी.

वेस्ट बंगाल फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस एसोसिएशन की संगोष्ठी में भाग लेते लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी, सीताराम शर्मा, शालीनी दीवान, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, प्रबोध चंद्र सिन्हा, विधायक सौगत राय, विधायक रॉबिन देव, उद्योगपति संदीप भूतोड़िया, प्रो सनत विश्वास, कृष्णा बोस व अन्य. तसवीर : विजय बागुई.

उन्होंने कहा कि आतंकवाद के नाम पर कुछ लोगों ने ऐसा किया है, पर क्या आतंकवाद का खतरा सिर्फ उन्हीं को है. श्री चटर्जी ने कहा कि आतंकवाद के खतरों को कोई भी कम नहीं बता रहा है, लेकिन इसके लिये सभी देशों को मिल कर लड़ना चाहिए. उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ का निर्माण विश्व शांति के लिए किया गया था, लेकिन इस समय कुछ देशों ने संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर ही प्रश्न चिह्न लगा दिया है. उन्होंने कहा कि आवश्यकता है कि हम सब मिल कर संयुक्त राष्ट्र के महत्व को फिर से साबित करें. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्य विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम ने कहा कि इराक युद्ध ने संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों को चोट पहुंचायी है. उन्होंने कहा कि इराक युद्ध से यह साबित हो गया कि बलशाली देशों के पास नीतियों में परिवर्तन की क्षमता है. श्री हलीम ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के पास इतनी शक्ति होनी चाहिए कि वह युद्ध को रोक सके. उन्होंने कहा कि परिवर्तन का केवल यह मतलब नहीं है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सदस्यों की संख्या बढ़ायी जाये, बल्कि इसके साथ बहुत कुछ करने की आवश्यकता है. संगोष्ठी में भाग लेते हुए यूएसए के कौंसुल जनरल ने यह माना कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में परिवर्तन की आवश्यकता है. यूनाइटेड किंगडम के उच्चायुक्त एंड्रू हाल ने कहा कि आतंकवाद और आर्थिक मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र की भूमिका अत्यंत प्रभावकारी है. शांति के बिना विकास और विकास के बिना शांति की कल्पना नहीं की जा सकती. जर्मनी के कौंसुल जनरल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में नये स्थायी सदस्यों की नियुक्ति की जानी चाहिए. संगोष्ठी में रूस के कौंसुल सईद एम जबितोव, संयुक्त राष्ट्र सूचना केंद्र दिल्ली की निदेशक शालिनी दीवान, उद्योगपति संदीप भूतोड़िया, विधायक रॉबिन देव, सौगत राय, प्रो सनत विश्वास, कृष्णा बोस, सीताराम शर्मा सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया.

प्रभात खबर, 19, अक्टूबर, 2004

वेस्ट बंगाल फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस एसोसियेशन की संगोष्ठी में भाग लेते अमेरिकन कौंसुल जनरल जार्ज सिब्ले, लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी, सीताराम शर्मा, शालिनी दीवान, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, प्रबोध चंद्र सिन्हा, विधायक सौगत राय, विधायक रॉबिन देव, उद्योगपति संदीप भूतोड़िया, प्रो. सनत विश्वास, कृष्णा बोस व अन्य। – विश्वमित्र चित्र

सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता देने का सुझाव

कोलकाता, १९ अक्टूबर (नि.प्र.)। अमरीका, ब्रिटेन, जर्मनी और रूस के राजनयिकों ने संयुक्त राष्ट्र के तत्काल सुधार और पुनर्गठन का आज आह्वान किया और उसका सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के विस्तार की भी दलील दी ताकि शांति और समृद्धि के हित में उक्त विश्व निकाय को अधिक प्रभावकारी बनाया जा सके। वक्तागण एक संगोष्ठी में बोल रहे थे जिसका विषय था संयुक्त राष्ट्र को चाहिए सुधारना और पुनर्गठित करना। इसका आयोजन वेस्ट बंगाल फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस एसोसियेशंस ने किया। कोलकाता में अमरीकी कौंसुल जार्ज एन. सिब्ले ने कहा कि यह आवश्यक है कि हम जो परिवर्तन करें उससे संयुक्त राष्ट्र अपने उद्देश्य को पूरा करे। उन्होंने कहा कि यद्यपि सुधार सहज नहीं है। फिर भी यदि विचार पूर्वक और निष्पक्षता के साथ किया जाए और सिद्धांत का पालन किया जाए तो संयुक्त राष्ट्र की योग्यता और दक्षता में मजबूती आएगी।

कोलकाता में ब्रिटिश उच्चायुक्त एंड्रू हाल ने भी उभरती परिस्थितियों के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र में सुधार और पुनर्गठन का आह्वान किया और सुरक्षा परिषद के विस्तार और उसमें भारत को शामिल करने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। संगोष्ठी का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने किया। उन्होंने कहा कि अमरीका का एकतरफा रुख समाप्त होना चाहिए जिससे दुनिया भर में शांति और सम्पन्नता आए। इस मौके पर जर्मनी के कौंसल जनरल इर्हार्ड जेंडर और कोलकाता में रूसी संघ के वरिष्ठ कौंसल सईद एम जवितोव ने भी सुधार और पुनर्गठन के समर्थन में विचार व्यक्त किये। संगोष्ठि की अध्यक्षता प. बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष श्री हाशिम अब्दुल हलीम ने की। इस अवसर पर रूस के कौंसुल जनरल सईद एम. जवितोव, संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र दिल्ली की निदेशक शालिनी दीवान, युव उद्योगपति संदीप भूतोड़िया, विधायक राबिन देव, विधायक सौगत राय, प्रो. सनत विश्वास, पूर्व सांसद कृष्णा बोस, सीताराम शर्मा सहित अनेक प्रमुख लोग उपस्थित थे।

दैनिक विश्वमित्र ,20 , अक्टूबर , 2004

बाल नवीन संघ दुर्गापूजोत्सव का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी युवा सम्मेलन के अध्यक्ष सन्दीप भूतोड़िया। साथ में संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश सराफ, समाजसेवी राजकुमार शर्मा, पार्षद गीता चौधरी, राजनेता कृष्ण गोपाल सिन्हा, चन्द्रकान्त सराफ व दिलीप सराफ।

सन्मार्ग, 21, अक्टूबर, 2004

आपकी आजादी आपके पर्स से शुरू होती है

आजादी से पहले और आजादी के बाद भी कोलकाता शहर पर अंग्रेजों का प्रभाव बरकरार था। इस परिवेश में हिन्दी साहित्य और संस्कृति को स्थानीय लोगों द्वारा जल्दी स्वीकार नहीं किया गया। इस तुलनात्मक दृष्टिकोण का असर सन् १९४२ में जन्मीं प्रभा खेतान के मन पर इतना गहरा था कि साहित्य और लेखनी उनके खून में रच बस गया। छठी कक्षा की छात्रा प्रभा खेतान ने अपनी पहली कविता *उषा आयी, उषा आयी* की रचना की और तभी से उनके अन्दर की कवयित्री और लेखिका ने समाज में नारी के अस्तित्व पर गहन सोच आरम्भ कर दिया। आज वे कोलकाता और पूरे देश में नारीवादी लेखिका के रूप में ही पहचानी जाती हैं। **'कोलकाता कल, आज और कल'** के विषय में सन्मार्ग ने उनसे बातचीत की, पेश हैं साक्षात्कार के मुख्य अंश।

*** कोलकाता के बारे में आपकी बचपन की क्या यादें हैं ?**

जब मेरा जन्म हुआ उस समय शहर में स्वतन्त्रता की लड़ाई अपने चरम पर थी। मैं उसी माहौल में बड़ी हुई। १९४७ में हमारा देश स्वतन्त्र तो हो गया लेकिन मेरे मन में हमेशा यह भावना बनी रही कि हम पूरी

तरह से स्वतन्त्र नहीं हैं। हमारी सभ्यता, संस्कृति और साहित्य पर अंग्रेजों का प्रभाव बरकरार है। उस समय हिन्दी भाषी लोग खासकर मारवाड़ी समाज के लोग यहां आकर बसने की कोशिश कर रहे थे। मैं यहां यह कहना चाहती हूँ कि, अहिन्दी भाषियों के बीच और अंग्रेजों के प्रभाव के बीच उनको यहां बसने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हिन्दी भाषियों को यहां स्वीकार नहीं किया जा रहा था। इस माहौल को मैंने करीब से देखा और महसूस किया कि यह दौर बहुत कठिन है और तभी से मेरी रुचि साहित्य की ओर बढ़ने लगी।

*** तब की और अब की स्थिति में क्या अन्तर दिखायी देता है ?**

अब स्थिति में बहुत परिवर्तन आया है, मारवाड़ी समाज में एक तरह का जागरण दिखायी देता है। उनमें एक किस्म का खुलापन आया है, वे अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। समाज की गतिविधियों में भी उनका बहुत बड़ा हाथ है।

*** यहां के हिन्दी साहित्य की स्थिति पर आप क्या कहना चाहती हैं ?**

हिन्दी साहित्य की स्थिति इस शहर में बहुत निराशाजनक है। इसका एक बहुत बड़ा कारण है कि हममें आपसी भाईचारे की भावना नहीं है। साहित्यकारों का यहां कोई ऐसा मंच नहीं है जहां हम सब मिलकर कुछ सोचें, कुछ काम करें। जो स्थानीय साहित्यकार और लेखक हैं वे सब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं और यहां उनके पास पर्याप्त काम नहीं है। इसलिए एक अजीब सी दूरी बनी हुई है।

*** आपको इस शहर में क्या विशेषताएं नजर आती हैं ?**

यह शहर अलसाया सा, बहुत धीमी गति से चलने वाला शहर है। जो १० साल पहले होना चाहिए, वह यहां अब हो रहा है। अब आपको यहां फ्लाई ओवर, ऊँची इमारतें, शॉपिंग माल, मल्टीप्लेक्स वगैरह दिखाई दे रहे हैं। इस शहर में असामनता बहुत ज्यादा है, कोई हद से ज्यादा अमीर है तो कोई दो वक्त की रोटी के लिए तरसता है। यह स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी, इसे बदलना सम्भव नहीं है। यह हर बड़े शहर में आपको देखने को मिलेगा, चाहे वह न्यूयार्क हो या कोलकाता। न्यूयार्क में भी बस्तियां हैं, मुम्बई जैसे चाल हैं फर्क सिर्फ इतना है कि वहां ऊँची इमारतों में चाल बसी हुई हैं और यहां जमीन पर मीलों दूर फैली हुई बस्तियां हैं।

*** इस शहर के जीवन पर आपके क्या विचार हैं ?**

सांस्कृतिक जीवन कम हो रहा है। पाश्चात्य सभ्यता का असर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। आज युवा पीढ़ी को डिस्को और पब में जाना ही अच्छा लगता है। शादियों में लाखों रुपये खर्च करना और आडम्बर करना यहां का नियम बन गया है। समाज में जो कुरीतियां पहले थीं वे आज भी हैं अंतर सिर्फ इतना है कि अब वे सामने के दरवाजे से न आकर पीछे के दरवाजे से आती हैं। पहले दहेज प्रथा को बुरा माना जाता था और इसको रोकने के लिए कई आंदोलन छेड़े गये लेकिन क्या यह खत्म हो पाया ? नहीं, आज भी लड़की वालों से दहेज लिया जाता है और वह भी बेझिझक। दहेज लेने का ढंग जरूर बदल गया है।

*** आपके विचार से इसमें किस तरह परिवर्तन लाया जा सकता है ?**

हमें कुछ इस तरह की सांस्कृतिक गतिविधियां प्रारंभ करनी चाहिए जिनमें युवाओं की भागीदारी हो और उनके अनुकूल हो। हम समाज सुधार की बातें तो करते हैं लेकिन होता नहीं है। इस दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है।

*** आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है ?**

मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है मेरी आत्म निर्भरता। मेरा मानना है कि *फ्रीडम स्टार्ट्स फ्राम युअर पर्स* यानी आपकी आजादी आपके पर्स से शुरू होती है। अगर आपके बैग में रुपये हैं तो आप स्वतन्त्र हैं, आत्म निर्भर हैं और यही आपकी उपलब्धि है।

*** अगले एक दशक में आप शहर को कहां देखती हैं ?**

अगले एक दशक में शहर दो अलग अलग तरीकों से विकसित होगा। जो नये इलाके विकसित हो रहें हैं वे बहुत अच्छे होंगे और जो पुराने इलाके हैं, वे ऐसे ही रहेंगे। घनी आबादी वाले इलाकों को आप किसी तरह ठीक नहीं कर पायेंगे, जो कमियां आज हैं वे आगे भी रहेंगी। अगर उनको सुधारना हो तो आपको उन पर बुलडोजर चलाना पड़ेगा, दूसरा तो कोई रास्ता है नहीं और आप ऐसा कर ही नहीं सकते। अगर कोई ये कहे कि यह शहर बहुत तरक्की करेगा, बहुत आगे बढ़ेगा तो ये गलत है। युवाओं में पाश्चात्य सभ्यता का असर और बढ़ेगा और यह लंदन और न्यूयार्क जैसी सभ्यता को अपनायेगा।

*** आपकी क्या गतिविधियां हैं ?**

मैंने यहां प्रभा खेतान फाउन्डेशन की स्थापना की है जो कई सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़ा हुआ है। मैंने शादी नहीं की लेकिन मैंने एक बेटा गोद लिया है और वही इसकी देखभाल कर रहा है।

*** नयी पीढ़ी के साहित्यकारों को आप क्या संदेश देना चाहती हैं ?**

मैं सिर्फ इतना कहना चाहती हूँ कि आप जहां के हो वहां के होके रहो। समाज के प्रति और इस शहर के प्रति जो आपका दायित्व है उसको निभाना चाहिए।

THE CALENDAR

Industrialist Sundeep Bhutoria (second from right) at Disha Dandia Utsav held at Park Hotel recently

THE TIMES OF INDIA, 4, NOVEMBER, 2004

कोलकाता, 8 नवंबर, 2004 सोमवार

जैन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित समारोह में मध्यप्रदेश के राज्यपाल डॉ बलराम जाखड़ (एकदम दायें), उद्योगपति महेंद्र कुमार जालान (बीच में) और संदीप भूतोड़िया (एकदम बायें).

कुर्सी या धन से कोई बड़ा नहीं होता : जाखड़

कोलकाता, 7 नवंबर : कथनी और करनी का अंतर जब मिट जाता है तब मनुष्य, मनुष्य बनता है. जिसकी कथनी और करनी में अंतर हो, उसको मनुष्य नहीं माना जा सकता है. यह कहना है मध्य प्रदेश के राज्यपाल डॉ बलराम जाखड़ का. आज महानगर में जैन संस्कृति संसद द्वारा अपने सम्मान में आयोजित एक समारोह में वह बोल रहे थे. डॉ जाखड़ ने कहा कि वह एक किसान हैं और कोलकाता के 'दिग्गजों' के बीच बैठ कर उन्हें गर्मी का एहसास हो रहा है. उन्होंने कहा कि किसी भी आदमी को कुर्सी बड़ा नहीं बनाती है. अगर कोई कुर्सी या धन के कारण अपने को बड़ा मानता है तो वह अहंकारी होता है. धन और प्रतिष्ठा अस्थायी हैं. इसके कारण किसी मानव को दुखी नहीं करना चाहिए, बल्कि जहां तक संभव हो मानवता की सेवा करनी चाहिए. उन्होंने कहा : पश्चिमी संस्कृति हमारी सभ्यता और संस्कृति को नष्ट कर रही है. आज की युवा पीढ़ी पाश्चात्य सभ्यता के नशे में अपने पालकों तक को भूल जाती है. उन्होंने देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सेनानियों के प्रति लोगों को कृतज्ञता प्रकट करने की नसीहत भी दी. उन्होंने कहा : जो भारतीय अपने स्वतंत्रता सेनानियों को भूलता है, वह बहुत ही ओछा व्यक्ति है. भारतीय कृषि के संबंध में उन्होंने कहा कि कृषि ही देश का भविष्य है. भारत में 70 प्रतिशत से अधिक लोग किसान हैं, जबकि अमेरिका में महज दो प्रतिशत लोग ही खेती करते हैं. जैन समाज के प्रसंग में उन्होंने कहा कि मन, वचन व कर्म से मैं स्वयं जैन हूं. सम्मान समारोह की अध्यक्षता श्री चंद नाहटा ने की. स्वागत भाषण में संदीप भूतोड़िया ने कहा कि डॉ जाखड़ का कोलकाता से गहरा संबंध रहा है. जब भी उन्हें बुलाया गया, उन्होंने हिचकिचाहट नहीं दिखायी. उद्योगपति महेंद्र जालान ने डॉ जाखड़ से कृषि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार से विशेष सहयोग दिलाने की अपील की. सम्मान समारोह में आरएस लोढ़ा, बुधमल दुगड़, पत्रकार विश्वंभर नेवर, समाजसेवी संपतमल बच्छावत, सुंदरलाल दुगड़, सीताराम शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन त्रिलोकचंद डागा ने किया.

प्रभात खबर, 8, नवम्बर 2004,

अर्जन ही नहीं विसर्जन करना भी सीखें-जाखड़

◆ कोलकाता। मनुष्य को धन अर्जन करने के साथ-साथ उसका विसर्जन करना भी सीखना चाहिए। मध्य प्रदेश के राज्यपाल डॉ. बलराम जाखड़ ने आज ये बातें अपने सम्मान समारोह में कही। जैन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित किये गये इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज ने इस भूमिका का पालन किया है। जहां भी यह समाज गया, वहां उसने अपनी विशेष पहचान कायम की। जैन धर्म के विविध पक्षों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वे खुद को जैन धर्म का अनुयायी मानते हैं। इस अवसर पर राजेंद्र लोढ़ा, महेंद्र जालान आदि मौजूद थे। स्वागत भाषण संदीप भूतोड़िया और धन्यवाद ज्ञापन सरदार मल कांकरिया ने किया।

सन्मार्ग, 8, नवम्बर, 2004

मध्यप्रदेश के राज्यपाल महामहिम डा. बलराम जाखड़ के कोलकाता आगमन पर जैन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के अवसर पर लिए गये चित्र में समारोह अध्यक्ष श्री श्रीचंद नाहटा, श्री राजेन्द्र लोढ़ा, समारोह के स्वागताध्यक्ष श्री संदीप भूतोड़िया, मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र जालान, डा. जाखड़ व संस्था के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा भाषण देते हुए। *-विश्वमित्र चित्र*

दैनिक विश्वमित्र, 8, नवम्बर 2004

उद्योगपति अंधेरे घरों में भी दीप जलाएं : जाखड़

जागरण संवाद, कोलकाता

समाज को उन्नत बनाने की दिशा में देश के पूंजीपतियों तथा उद्योगपतियों को गरीबों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। अपने घरों में अनगिनत दीपक जलाने के साथ-साथ पूंजीपतियों व उद्योगपतियों को चाहिए कि वे उन घरों में भी रोशनी फैलाने

■ सम्मान समारोह में व्यक्त किए उद्गार

का पुण्य काम करें, जो गरीबी के कारण अंधकारमय जिंदगी बिताने को मजबूर हैं। उपरोक्त उद्गार मध्यप्रदेश के राज्यपाल डा. बलराम जाखड़ ने रविवार को पूर्वाह्न अपने सम्मान में आयोजित समारोह में व्यक्त किये। राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने के पश्चात पहली बार कोलकाता आए श्री जाखड़ का इस समारोह में भव्य

■ मध्य प्रदेश के राज्यपाल बलराम जाखड़ के अभिनंदन समारोह का दृश्य जागरण

स्वागत किया गया। जैन संस्कृति द्वारा आयोजित इस समारोह में संस्था के सदस्य एवं उद्योग जगत से जुड़ी हस्तियों ने उनका स्वागत किया। इनमें राजेंद्र लोढ़ा, बुद्धमल दुगड़ त्रिलोकचंद डागा तथा कोलकाता मे फ्रांस के कांसल जनरल महेंद्र जालान उल्लेखनीय रहे। इस अवसर पर श्री जाखड़ ने लोगों से समाज को जागरूक व उन्नत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति की अंधी दौड़ में लोग अपने पूर्वजों द्वारा गढ़ी भारतीय सभ्यता से दूर होते जा रहे हैं। भारतीय समाज के लिए यह

■ पाश्चात्य संस्कृति की अंधी दौड़ से बचने की सलाह

अच्छा संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि मंत्री पद पाने के बाद कुछ लोग मद में चूर अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ लेते हैं। लंबे चौड़े वादे निभाने की कसमें खाने वालों की कथनी और करनी में अंतर बढ़ता जा रहा है। इसे गलत करार देते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपनी कथनी और करनी में सामंजस्य स्थापित करने की जरूरत है।

दैनिक जागरण, 8, नवम्बर 2004

कथनी-करनी में मेल रखें : जाखड़

कोलकाता, 7 नवंबर (संवाददाता)। मध्य प्रदेश का राज्यपाल संभालने के पश्चात पहली बार कोलकाता आए वरिष्ठ राजनेता डा. बलराम जाखड़ का जैन संस्कृति संसद ने एग्री होर्टिकल्चरल के कनोई हॉल में अभिनंदन किया। अपने स्वागत का जवाब देते हुए डा. जाखड़ ने कहा कि कथनी और करनी में सामंजस्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैन समाज ने धन बांटा है और उनके इसी कर्म ने इस समाज को विशिष्ट बनाया है। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी श्री चंद नाहटा ने की। स्वागताध्यक्ष युवा उद्यमी श्री संदीप भूतोड़िया ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम केसंयोजक श्री लिलोक चंद डागा ने डा. जाखड़ के जीवन की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख करते हुए उनका संक्षिप्त परिचय दिया।

डा. जाखड़ ने कहा कि अभिनंदन से वे अभिभूत हैं। श्री जाखड़ ने अपने भाषण में जैन समाज को सरल जीवन शैली एवं त्याग जैसे सिद्धांतों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे भी जैन सिद्धांतों के अनुयायी हैं। उन्होंने मंच पर उपस्थित धनपतियों से कहा कि वे जीवन में जनकल्याण व सेवा का व्रत लें।

राजनेता के साथ जाखड़ी ने अपने किसान होने की पृष्ठभूमि को दृढ़ता के साथ रखा। उन्होंने कहा कि किसान हूं, सवा 6 फुट का कद होने के बावजूद आधी रोटी खाता हूं इसलिए किसी के सामने झुकने या समझौता करने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने ये भी कहा कि भारत की 74 प्रतिशत जनसंख्या किसानों की है। अगर उनकी गरीबी का उन्मूलन नहीं हुआ तो देश में खूनी क्रांति हो सकती है। श्री जाखड़ ने धनी वर्ग को जनकल्याण के कार्य में जुटने का आह्वान किया।

इस अवसर पर फ्रांस के कांसुलेट जेनरल श्री महेंद्र कुमार जालान एवं बहुचर्चित चार्टर्ड एकाउंटेंट श्री राजेंद्र लोढ़ा एवं श्री बुद्धमल दुगड़ भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सम्पतमल बच्छावत सक्रिय थे। कवियित्री श्रीमती गुलाब बैद ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। एक दर्जन से अधिक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने डा. जाखड़ को माल्यप्रदान कर उनका स्वागत किया।

राजनेता डा. बलराम जाखड़ को म. प्र. का राज्यपाल नियुक्त किये जाने के उपलक्ष में जैन संस्कृति संसद, कलकत्ता द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में डा. जाखड़ के साथ परिलक्षित हैं श्री संदीप भूतोड़िया, श्री महेंद्र जालान, श्री श्रीचंद्र नाहटा एवं संयोजक श्री लिलोकचंद डागा। फोटो : छपते छपते

श्रीमती प्रेम चौरड़िया ने उनको तिलक लगाया। श्री श्री चंद वैद ने राजस्थान के गौरव केप्रतीक पगड़ी पहनायी एवं श्री किसन लाल महिपाल ने शाल ओढ़ाकर जाखड़जी का परंपरागत शैली में अभिनंदन किया।

श्री जाखड़ आज सुबह ही आये थे तथा शाम को दिल्ली रवाना हो गये। श्री महेंद्र जालान के घर गये जहां एक सड़क हादसे में जख्मी उनकी माताजी के स्वास्थ्य लाभ की कामना की। वे बी एम बिरला अस्पताल भी गये। जहां चिकित्साधीन विधायक श्री सत्य नारायण बजाज से मिलकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

छपते छपते, 8, नवम्बर 2004

Bonds beyond bat and ball

A STAFF REPORTER

Come November 13, and all eyes would be on the 22 yards at Eden Gardens. But there's off-pitch action aplenty, both before and after the India-Pakistan match, to ensure that the winner this winter is camaraderie in Calcutta.

First up is the launch of Sourav's: The Food Pavilion, on Thursday afternoon by members of Team Pakistan. If food sets just the right taste for the Eden test, there's another subcontinental obsession to follow — films.

Playing perfect hosts, BCCI has arranged a tour of select city spots, a special evening screening of the all-colour *Mughal-e-Azam* (picture right) at the 89 Cinemas cineplex adjacent to Swabhumi, followed by dinner — all on Thursday.

"We are inviting the entire Pakistani delegation for the screening," said CEO of 89 Cinemas Debashis Ghosal. The epic love story of Prince Salim and Anarkali, now digitised and Dolby, releases throughout the country on Friday, but the guests would get a glimpse the evening before.

Bollywood new carries the camaraderie torch one step forward this festive Friday with the release of *Veer-Zaara*, where Indian Shah Rukh Khan falls in love with Pakistani Preity Zinta as director Yash Chopra hopes to script a celluloid epic inspired by "the love and brotherhood" he encountered beyond the border.

Keeping fans, senior Pakistan Cricket Board members and government officials in the right rhythm on Friday evening would be percussionist Bikram Ghosh and singer Babul Supriyo at Taj Bengal. The Alipore hotel has added Id elements to its menu for the star guests and more festive plans are ready to roll.

In the galleries, handle with care is the message from Calcutta Police. An elaborate plan has been chalked out to provide a hassle-free sporting experience to the 200-odd Pakistan fans cheering from the Members' stands.

"We can assure them that Calcutta will reciprocate the gesture that Pakistanis showed during the Indian team's visit," was the word from Sanjay Mukherjee, deputy commissioner of police, headquarters. "We want them to fall in love with Calcutta," he added.

The bonds go beyond the Eden boundaries with a cultural programme by Pakistani artistes next week. On November 19, Rabindra Sadan would host Pakistani danseuse Sheema Kermani (who studied dance in India) with her troupe Tehrik-e-Nisswan. Pakistan's Interactive Resource Centre will then put up a play by Md. Waseem. Organised jointly by Pakistan-India Peoples' Forum for Peace and Democracy and Prabha Khaitan Foundation, the event is billed as a "breakthrough" in cultural ties.

"The confluence of cricket and culture is a happy coincidence," feels Prabha Khaitan Foundation's Sundeep Bhutoria about the visit of the 40-member team that has a Santiniketan stopover, too.

156

जैन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश के राज्यपाल डॉ. बलराम जाखड़ को युगप्रधान आचार्य श्री महाप्रज्ञजी की नवीन कृति 'अक्षर को प्रणाम' भेंट करते हुए आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के ट्रस्टी एवं जैन विश्व भारती के परामर्शक सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री बुधमल दुगड़, फ्रान्स के मानद कौन्सल श्री महेन्द्र कुमार जालान, सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री राजेन्द्र सिंह लोढ़ा, श्रीचन्द्र नाहटा, संदीप भूतोड़िया, सरदारमल कांकरिया, संस्था अध्यक्ष तिलोकचन्द डागा एवं भाषण देते हुए अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के वरिष्ठ सदस्य श्री तुलसी कुमार दुगड़। कविता के चित्रांकन का यह भव्य काव्य पठनीय, संग्रहनीय एवं दर्शनीय है।

सन्मार्ग,13 , नवम्बर , 2004

It's time clubs relaxed dress code

Jaideep Mazumdar
Kolkata, November 12

THE GATES of a prominent city club had once been closed on Ananda Shankar as his attire did not conform to the dress code. At least a decade has passed since then but the clubs remain as stringent with their rules.

The rest of the country has beaten the colonial hangover, but the city's clubs zealously guard their British past. In fact, many of independent India's rulers, including Prime Minister Manmohan Singh, would find themselves barred from these premises.

It is such archaic rules that the likes of Sandeep Bhutoria have set out to fight. "It is the staff at the clubs who decide what's acceptable and what is not. What's deemed to be a churidar for one person can easily change into an Aligarhi for another. It all depends on the person's status," said Bhutoria. A member of Bengal Club, he has been up in arms against the sartorial club codes for the past few years.

At Bengal Club, you'd better tuck your shirt into your trousers if you don't want to be turned away. The club also reserves the right to decide what's a *churidar* (tight *pyjamas*) and what's a loose or Ali-

Even 57 years after Independence, the city clubs suffer from the Raj era hangover

garhi pyjama. A charitable foundation that recently hosted a panel discussion featuring Speakers of legislative assemblies of many states, including West Bengal, had originally planned to hold the event at this club, but decided to shift the venue to Taj Bengal when the club management them that many of the eminent guests would be "unacceptably" attired. For, *kurta-pyjamas*, the unofficial uniform of Indian politicians, is a definite no at all clubs of this city. Dhotis are allowed, but then the brown sahibs ruling over the affairs of these clubs permitted this relaxation only a few years ago.

And heaven help you if your shoe happens to pinch. You grin and bear with the discomfort or simply walk out — removing footwear would cost you the embarrassment of being sternly asked to leave the club at once.

It's not only Bengal Club that clings on to the Raj era, determined to preserve century-old rules that were framed to keep the "natives" out of the sahib's preserves. Clubs in other metros, including top-of-the-line ones like Delhi Golf Club and the Bombay Gymkhana, have long dumped the stringent dress codes.

In Kolkata, however, casual outfits — shirts, T-shirts or vests without collars — are still barred, making the premises off-limits for even top-notch designer wear or haute couture. Most don't even permit jeans except on Sundays and holidays and, that too, till 5 pm.

You can strip down to your underwear inside the Calcutta Swimming Club, but while walking in, you'd better be attired properly. And that means shirts with collars — no folded sleeves — formal or casual trousers, shoes and, on formal occasions, a jacket. But not an open collar — a tie, scarf or cravat is a must.

At Calcutta Club, a T-shirt and khakis would be allowed in some parts, though with a not-very-subtle frown. The RCGC is finicky about flimsy shirts and tops — even a light silk shirt worn without a vest underneath would invite a rebuke. As would keeping too many buttons of your shirt open.

HT KOLKATA, 13, NOVEMBER, 2004

Bonds beyond bat and ball

A STAFF REPORTER

Come November 13, and all eyes would be on the 22 yards at Eden Gardens. But there's off-pitch action aplenty, both before and after the India-Pakistan match, to ensure that the winner this winter is camaraderie in Calcutta.

First up is the launch of Sourav's The Food Pavilion, on Thursday afternoon by members of Team Pakistan. If food sets just the right taste for the Eden test, there's another subcontinental obsession to follow — films.

Playing perfect hosts, BCCI has arranged a tour of select city spots, a special evening screening of the all-colour *Mughal-e-Azam* (**picture right**) at the 89 Cinemas cineplex adjacent to Swabhumi, followed by dinner — all on Thursday.

"We are inviting the entire Pakistani delegation for the screening," said CEO of 89 Cinemas Debashis Ghosal. The epic love story of Prince Salim and Anarkali, now digitised, and Dolby releases throughout the country on Friday, but the guests would get a glimpse the evening before.

Bollywood new carries the camaraderie torch one step forward this festive Friday with the release of *Veer-Zaara*, where Indian Shah Rukh Khan falls in love with Pakistani Preity Zinta as director Yash Chopra hopes to script a celluloid epic inspired by "the love and brotherhood" he encountered beyond the border.

Keeping fans, senior Pakistan Cricket Board members and government officials in the right rhythm on Friday evening would be percussionist Bikram Ghosh and singer Babul Supriyo at Taj Bengal. The Alipore hotel has added fd elements to its menu for the star guests and more festive plans are ready to roll.

In the galleries, handle with care is the message from Calcutta Police. An elaborate plan has been chalked out to provide a hassle-free sporting experience to the 200-odd Pakistan fans cheering from the Members' stands.

"We can assure them that Calcutta will reciprocate the gesture that Pakistanis showed during the Indian team's visit," was the word from Sanjay Mukherjee, deputy commissioner of police, headquarters. "We want them to fall in love with Calcutta," he added.

The bonds go beyond the Eden boundaries with a cultural programme by Pakistani artistes next week. On November 19, Rabindra Sadan would host Pakistani danseuse Sheema Kermani (who studied dance in India) with her troupe Tehrike-Nisswan. Pakistan's Interactive Resource Centre will then put up a play by Md. Waseem. Organised jointly by Pakistan-India Peoples' Forum for Peace and Democracy and Prabha Khaitan Foundation, the event is billed as a "breakthrough" in cultural ties.

The confluence of cricket and culture is a happy coincidence," feels Prabha Khaitan Foundation's Sundeep Bhutoria about the visit of the 40-member team that has a Santiniketan stopover, too.

DIWALI DELIGHT

Medical

Mayor

AFP

Members of the Pakistani theatre group Tehrik-e-Nisswan in action. The group, led by dancer Sheema Kermani, is visiting Kolkata at the invitation of the Pakistan India People's Forum for Peace and Democracy and the Prabha Khaitan Foundation.

HT KOLKATA, 21, NOVEMBER 2004

राष्ट्रपति एवं आचार्य महाप्रज्ञ की संयुक्त पुस्तक का प्रकाशन जुलाई में

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एवं तेरापंथ धर्म संघ के आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा संयुक्त रूप से लिखी हुई पुस्तक अगले वर्ष जुलाई तक पूरी हो जाएगी। इस आशय की जानकारी महामहिम राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल से भेंट के दौरान कही।

संदीप भूतोड़िया के नेतृत्व में जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रपति से मिलकर उन्हें महावीर एवं आचार्य महाप्रज्ञ का स्मृति चिन्ह भेंट किया। साथ ही भगवान महावीर पर लिखी पुस्तक भी उन्हें भेंट की गयी। इस अवसर पर त्रिलोकचंद डागा एवं भूतोडिया ने राष्ट्रपति से जैन समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करने वाले लोगों के सम्मान समारोह में आकर उन्हें पुरस्कार प्रदान करने का आग्रह किया। इसे स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के बाद उन्हें सूचित करें। यदि कोलकाता में आने का उनका कार्यक्रम बना तो वह अपने कार्यक्रम में इसे शामिल करेंगे। राष्ट्रपति ने बताया कि आचार्य महाप्रज्ञ पर संयुक्त रूप से लिखी जा रही पुस्तक अगले वर्ष जुलाई तक पूरी हो जाएगी।

डायलाग सोसाइटी द्वारा आयोजित मिलन गोष्ठी में जनसंसार के संपादक गीतेश शर्मा, सांसद मो. सलीम, थाइलैण्ड के कौंसुल जनरल वांग, प्रो. अमलेन्दु, युवा समाजसेवी संदीप भूतोड़िया व कवयित्री कुसुम जैन।

सन्मार्ग ,23, नवम्बर 2004

THE CALENDAR

SWAPAN KR PAL

Industrialist Sundeep Bhutoria (right) felicitates Mohammed Wasim (centre) during a programme while danseuse Seema Kirmani looks on at Rabindra Sadan, recently

TIMES OF INDIA, 23, NOVEMBER 2004

राज्यपाल वीरेन जे शाह से डायलॉग सोसायटी के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकार गीतेश शर्मा के नेतृत्व में मुलाकात की. साथ में थे संदीप भुतोड़िया, कुसुम जैन व प्रेम कपूर. इस अवसर पर श्री शर्मा ने पुस्तक *इंडिया वियतनाम रिलेशंस : फर्स्ट टू ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी* राज्यपाल को भेंट की.

प्रभात खबर ,27, नवम्बर 2004

नटवर सिंह के सम्मान में आज कार्यक्रम

कोलकाता, 10 दिसम्बर। महानगर में सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय संस्थान 'प्रभा खेतान फाउण्डेशन' एवं 'राजस्थान नेशनल फोरम' के संयुक्त तत्वावधान में विदेशमंत्री कुंवर नवटर सिंह के अभिनंदन समारोह का आयोजन शनिवार को प्रात: 4वी, सिटल रसल स्ट्रीट कोलकाता में किया गया है। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष नवाब ए. एच. हालिम साहब उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष श्री संदीप भूतोड़िया ने दी। कार्यक्रम में संस्था के सचिव श्री प्रदीप चतुर्वेदी एवं फोरम के श्री शिशिर बाजोरिया उपस्थित रहेंगे।

छपते छपते, 11, दिसम्बर 2004

मुझमें राजस्थानियत, हिन्दुस्तानियत और इन्सानियत तीनों हैं-नटवर

कोलकाता, ११ दिसम्बर (सेस)। मैं राजस्थानी बाद में हूँ, पहले हिन्दुस्तानी हूँ। मुझमें राजस्थानियत, हिन्दुस्तानियत और इन्सानियत तीनों हैं। और इनका अपास में कहीं टकराव भी नहीं होता है। उक्त कथन है केन्द्रीय विदेश मंत्री कुँवर नटवर सिंह का। वे आज ४बी, लिटिल रसल स्ट्रीट में राजस्थान नेशनल फोरम के बैनर तले आयोजित अभिनन्दन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस वक्त भारत का विदेशमंत्री होना बहुत मायने रखता है। क्योंकि पूरे विश्व में भारत की छवि निखर रही है। पाकिस्तान से भी सकारात्मक दिशा में बातचीत हो रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुझमें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेषांश)

भारत में लोकतंत्र मजबूत है। उन्होंने कहा कि अगले ५ साल में भारत की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आयेगा।

इसके पूर्व महानगर की विभिन्न संस्थाओं की तरफ से माल्य प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। प्रभा खेतान फाउण्डेशन की प्रभा खेतान ने गुलदस्ता भेंट किया वहीं अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के निदेशक दिनेश बजाज ने शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। राजस्थान की पगड़ी भी उन्हें पहनाई गई। इस अवसर पर राज्य विधानसभा अध्यक्ष ए.एच.हलीम, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया, राजेन्द्र एस. लोढ़ा आदि मंचस्थ थे। आगत अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष संदीप भुतोड़िया, राजकुमार शर्मा आदि ने किया। संचालन किया प्रदीप चतुर्वेदी ने।

उपस्थित लोगों में सर्वश्री दिनेश चन्द वाजपेयी, नेमीचंद बामलवा, विनोद विद्यासरिया, सज्जन सराफ, सावरमल भीमसरिया, विधायक सौगत राय, सम्पतमल बच्छावत, मोहनलाल दुजारी, अरुण मल्लावत, त्रिलोकचंद डागा, गोकुलचंद चाण्डक, सुशील ओझा, श्री चंद नाहटा, भानीराम सुरेका, एच.ए. सफी, महावीर प्रसाद रावत, चंद्रकांत सराफ, घनश्याम शर्मा, दिनेश पांडे सहित भारी संख्या में समाजसेवी, पत्रकार, साहित्यकार आदि मौजूद थे।

सेवासंसार, 11, दिसम्बर 2004

नटवर सिंह का अभिनंदन समारोह आज

कोलकाता : सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय संस्थान प्रभा खेतान फाउंडेशन व राजस्थान नेशनल फोरम के संयुक्त तत्वावधान में कल विदेश मंत्री कुंवर नटवर सिंह के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम में विभिन्न देशों के कौंसुल, सामाजिक कार्यकर्ता व उद्योगपति भी उपस्थित रहेंगे. समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्य विधानसभा अध्यक्ष एएच हलीम उपस्थित रहेंगे. यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी. कार्यक्रम में संस्था के सचिव प्रदीप चतुर्वेदी व फोरम के शिशिर बाजोरिया भी उपस्थित रहेंगे.

प्रभात खबर, 11, दिसम्बर 2004

External affairs minister K. Natwar Singh with a shawl presented to him at a ceremony in south Calcutta organised by the Prabha Khaitan Foundation . Picture by Sanjoy Chattopadhyaya

THE TELEGRAPH , 12, DECEMBER, 2004

बर्मा भारत के साथ संयुक्त अभियान के लिए राजी : नटवर

लंबे समय तक भारतीय विदेश सेवा में कार्य कर विश्व के कई देशों में राजदूत रह चुके कुंवर नटवर सिंह फिलहाल यूपीए सरकार में विदेश मंत्री हैं. प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में राजस्थानी नेशनल फोरम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए श्री सिंह कोलकाता के दौरे पर आये. इस दौरान हमारे संवाददाता *अजय विद्यार्थी* ने विभिन्न मुद्दों पर श्री सिंह से बातचीत की. प्रस्तुत है, उनके साथ हुई बातचीत के प्रमुख अंश :

सवाल : *भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व उपप्रधानमंत्री आडवाणी ने आरोप लगाया है कि बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को शरण दी जा रही है. साथ ही आइएसआइ को भी संरक्षण दिया जा रहा है. इस संबंध में केंद्र सरकार क्या कदम उठा रही है?*

जवाब : छह साल तक केंद्र में भाजपा सरकार काबिज थी. आडवाणीजी उपप्रधानमंत्री थे. उन्होंने स्वयं इस दिशा में कदम क्यों नहीं उठाये. यूपीए सरकार छह माह पूर्व सत्ता पर काबिज हुई है. इस अंतराल में कई प्रभावी कदम उठाये गये हैं. जहां तक आतंकवादी गतिविधियों का सवाल है, तो ढाका में होनेवाले सार्क सम्मेलन में इस संबंध में वार्ता करेंगे.

सवाल : *आसियान देशों के साथ भारत के रिश्ते कैसे हैं ?*

जवाब : यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत की छवि विदेशों में और साफ हुई है. स्थिति में काफी सुधार हुआ है. हाल में आसियान देशों की लाओस में बैठक संपन्न हुई. बैठक में जापान के प्रधानमंत्री, रूस के विदेश मंत्री, चीन के प्रधानमंत्री, कोरिया के राष्ट्रपति के साथ मैंने भी भारत के विदेश मंत्री की हैसियत से भाग लिया था. आसियान सदस्यों के साथ रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए सात-आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये. इन समझौतों से आसियान देशों और भारत के रिश्ते को अधिक मजबूती मिलेगी. इस क्रम में एशियन रैली का आयोजन किया गया. रैली काफी सफल रही. इस तरह के आयोजन होते रहेंगे.

सवाल : *कहा जा रहा है कि यूपीए सरकार पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते को ज्यादा महत्व नहीं दे रही है ? इस पर आप की क्या टिप्पणी है.*

जवाब : ऐसा नहीं है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारने के मुद्दे को बल नहीं दिया जा रहा. पड़ोसी देशों के साथ पहले की अपेक्षा संबंध अधिक मजबूत हो रहे हैं. पड़ोसी देशों को महत्व दिया जा रहा है. *लुक ईस्ट* की नीति अपनायी जा रही है. विदेश मंत्री बनने के बाद सबसे पहले मैंने नेपाल की यात्रा की. वहीं पाकिस्तान के साथ छह माह से कंपोजिट डॉयलॉग चल रहा है. रिश्ते सुधरे हैं. नौ और 10 जनवरी को सार्क का सम्मेलन ढाका में होनेवाला है. वहां भारत-पाक प्रधानमंत्रियों की बैठक होगी.

सवाल : *देश का उत्तरपूर्वी हिस्सा उग्रवाद की समस्या से ग्रस्त है. इसके पूर्व भूटान के साथ मिल कर उल्फा के खिलाफ संयुक्त अभियान भी चलाया गया था. क्या बर्मा के साथ भी इसी तरह का अभियान चलाने की योजना निकट भविष्य में है.*

जवाब : बर्मा उग्रवादियों के खिलाफ संयुक्त ऑपरेशन के लिए राजी है.

सवाल : *नेपाल में हो रही माओवादी हिंसा पर भारत का क्या रुख है ?*

जवाब : हम लोग नेपाल सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं.

सवाल : *चीन-भारत संबंधों में कितना सुधार आया है ?*

जवाब : चीन के साथ व्यापार संपर्क बढ़ा है. इस वर्ष 12 बिलियन का व्यापार हुआ है. चीन के प्रधानमंत्री मार्च में भारत आ रहे हैं. चीन ने भारत को महत्वपूर्ण देशों की सूची में शामिल किया है. चीन के प्रधानमंत्री के भारत दौरे में निवेश बढ़ाने के विषय पर भी चर्चा होगी.

सवाल : *नाथूला दर्रे से चीन के साथ व्यापार कब शुरू किया जायेगा.*

जवाब : नाथूला दर्रे से व्यापार शुरू करने में अभी कुछ विलंब है, क्योंकि वहां सरकार बदली. मार्ग भी बर्फ से ढक गया है. विदेश सचिव स्तर की बातचीत हुई थी. शीघ्र ही दर्रे के माध्यम से व्यापार होगा.

प्रभा खेतान फाउंडेशन ने भारतीय विदेश मंत्री को सम्मानित किया

प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में राजस्थान नेशनल फोरम के कार्यक्रम में विदेश मंत्री के नटवर सिंह, फांउडेशन के न्यासी द्वय प्रभा खेतान व संदीप भूतोड़िया, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया.

कोलकाता, 11 नवंबर : प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वाधान में राजस्थान नेशनल फोरम ने आज विदेश मंत्री कुंवर नटवर सिंह को सम्मानित किया. इस अवसर पर श्री सिंह ने प्रवासी राजस्थानियों की योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की. श्री सिंह ने कहा कि वह राजस्थान के होने के साथ-साथ देश के अच्छे नागरिक हैं. सभी को ऐसा ही होना चाहिए. राजस्थान के लोग जहां भी गये, सफल हुए. उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों द्वारा धर्म व समाज के लिए जो किया गया है, वह सराहनीय है. श्री सिंह ने कहा कि पहले की तुलना में भारत की छवि बदली है. दिनों-दिन इसमें सुधार आ रहा है. इस अवसर पर उपस्थित राज्य विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों जहां भी गये, वहां व्यापार बनाया और उस स्थान को अपने घर जैसा सम्मान दिया. लेकिन विकास के साथ-साथ कुछ खामियां भी बढ़ी है. रियल स्टेट में समाजविरोधियों के साथ गंठजोड़ पर उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसका सामूहिक रूप से विरोध होना चाहिए, क्योंकि अभी यह राज्य को क्षति पहुंचा रही है, लेकिन अंततः संरक्षण देनेवालों को ही मुसीबत का सामना करना पड़ेगा. उन्होंने ग्रामीण बेरोजगारों के बारे में विचार करने की जरूरत पर बल दिया. श्री हलीम ने विदेश मंत्री से अपील की कि अमेरिकी व यूरो डॉलर की तर्ज पर एशियान डॉलर भी चालू की जाये. डॉ प्रभा खेतान ने कहा कि राजस्थान नेशनल फोरम एक गैर राजनीतिक मंच है. इसका गठन पूंजीपति गतिविधियों के लिए नहीं, वरन देश व विदेश में रहनेवाले राजस्थानी गतिविधियों सांस्कृतिक व समाजिक को संगठित करना है. समाज के विभिन्न तबके के लोगों के बीच समन्वय स्थापित करना है, जो सरकार द्वारा संभव नहीं है. उल्लेखनीय है कि राजस्थान नेशल फोरम का जयपुर के बाद यह कोलकाता में पहली सभा थी. इसके पश्चात चेन्नई, मुंबई, दिल्ली के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रिटेन व अमेरिका में भी शाखाएं खोलने की योजना है. इस कार्यक्रम का आयोजन संदीप भूतोड़िया ने किया था. इस अवसर पर शिशिर बाजोरिया, श्री चंद नाहटा, हरिमोहन बांगड़, दिनेश बजाज, अरुण मल्लावत, सज्जन सराफ, सांवरमल भीमसरिया, रामकुमार शर्मा, विश्वंभर नेवर, संजय हलालका, चंद्रकांत सराफ, विनोद विद्यासरिया, मोहनलाल तुलसी, सीताराम शर्मा, कुंजबिहारी अग्रवाल, कैलाशचंद बिमानी, प्रकाश चंडालिया व गीतेश शर्मा आदि ने श्री सिंह का अभिनंदन किया.

प्रभात खबर, 12, दिसंबर, 2004

राजस्थान नेशनल फोरम और प्रभा खेतान फाउण्डेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री नटवर सिंह, डॉ. प्रभा खेतान और विधानसभा अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम

सम्मानित किये गये नटवर सिंह

कोलकाता, ११ दिसम्बर (न.प्र.)। राजस्थान नेशनल फोरम और प्रभा खेतान फाउण्डेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री नटवर सिंह को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री के रूप में कार्य करना एक बड़ी चुनौती है। इन सबके बीच वे विभिन्न देशों के साथ संबंधों में सुधार के लिए प्रयास कर रहे हैं। भारत में लोकतंत्र की जड़ें काफी मजबूत हैं इसलिए इस कार्य में काफी मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत चल रही है। इस बात के प्रयास किये जा रहे हैं कि आपसी बातचीत से समस्याओं को सुलझा लिया जाय। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम ने अपने वक्तव्य में राजस्थानी समाज के लोगों से आह्वान किया कि निर्माण व्यवसाय में अपराधियों की घुसपैठ और कम पढ़े लोगों के लिए रोजगार सृजन के मामले पर वे ध्यान दें। इस समस्या पर ध्यान नहीं देने की स्थिति में भविष्य में जटिल स्थिति उत्पन्न होगी। डॉ. प्रभा खेतान ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस फोरम का गठन राजस्थानी समाज के लोगों के बीच समन्वय के लिए किया गया है। ब्रिटेन और अमरीका में भी इसकी शाखाएं खोली जायेंगी। इस मौके पर समाज के कई गण्यमान्य लोग मौजूद थे। श्री नारायण जैन ने 'हाऊ टू हैण्डल इनकम टैक्स' पुस्तक नटवर सिंह को भेंट की। यह पुस्तक श्री जैन और दिलीप लावलका ने लिखी है।

सन्मार्ग, 12, दिसम्बर, 2004

कोलकाता में नटवर सिंह का आत्मीय स्वागत

कोलकाता, 12 दिसम्बर (संवाददाता)। प्रभा खेतान फाउण्डेशन व राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से शनिवार को विदेश मंत्री नटवर सिंह के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया है। इस समारोह में महानगर तथा आस-पास की संस्थाओं की ओर से श्री सिंह का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राज्य विधानसभा के अध्यक्ष हासीम अब्दुल हलीम ने कहा कि संस्था द्वारा श्री सिंह का अभिवादन किया जाना काबिले तारीफ है। श्री हलीम ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह की निजी संस्थायें राज्य की बेरोजगारी पर भी ध्यान दें क्योंकि आने वाले दिनों में यह एक बहुत बड़ा सिरदर्द बनने वाला है। श्री हलीम ने नटवर सिंह से आग्रह किया कि अमेरिकन व यूरोपीयन डॉलर की ही तर्ज पर एशिएन डॉलर लॉंच किये जाने के लिए भी पहल किये जाने की जरूरत है। वक्तव्य रखते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि वे ऐसे समय में विदेश मंत्री नियुक्त किये गये हैं जिस समय में चीन व रसिया के साथ भारत की नजदीकियां बढ़ रही हैं और पाकिस्तान के साथ रिश्तों में और भी प्रगाढ़ता आ रही है। विदेश मंत्री के इस अभिनन्दन समारोह में प्रभा खेतान, शिशिर बाजोरिया, छपते छपते समूह के सम्पादक विश्वम्भर नेवर भी शामिल थे।

प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में राजस्थान नेशनल फोरम के कार्यक्रम में विदेश मंत्री नटवर सिंह, फांउडेशन के न्यासीद्वय प्रभा खेतान व संदीप भूतोड़िया, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया.

छपते छपते, 13, दिसंबर, 2004

विदेश मंत्री कुंवर नटवर सिंह के कोलकाता आगमन पर सुपरिचित श्री संदीप भूतोड़िया ने अपने निवास स्थान पर एक मिलन गोष्ठी का आयोजन किया। उक्त अवसर पर लिए गए चित्र में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह का अभिवादन करते हुए श्री भूतोड़िया एवम् श्री राजेन्द्र सिंह लोढ़ा। - फोटो : विश्वमित्र

दैनिक विश्वमित्र, 13, दिसम्बर 2004

डागा व भुतोड़िया द्वारा राष्ट्रपति कलाम से मुलाकात

नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति महामहिम अब्दुल कलाम जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल से भेंट के दौरान जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष तिलोकचन्द डागा एवं जैन समाज के युवा उद्योगपति सन्दीप भुतोड़िया।

सरदारशहर प्रभात ,13,दिसम्बर 2004

कोलकाता में नटवर सिंह का आत्मीय स्वागत

कोलकाता, 12 दिसम्बर (संवाददाता)। प्रभा खेतान फाउण्डेशन व राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से शनिवार को विदेश मंत्री नटवर सिंह के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया है। इस समारोह में महानगर तथा आस-पास की संस्थाओं की ओर से श्री सिंह का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राज्य विधानसभा के अध्यक्ष हासीम अब्दुल हलीम ने कहा कि संस्था द्वारा श्री सिंह का अभिवादन किया जाना काबिले तारीफ है। श्री हलीम ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह की निजी संस्थायें राज्य की बेरोजगारी पर भी ध्यान दें क्योंकि आने वाले दिनों में यह एक बहुत बड़ा सिरदर्द बनने वाला है। श्री हलीम ने नटवर सिंह से आग्रह किया कि अमेरिकन व यूरोपीयन डॉलर की ही तर्ज पर एशिएन डॉलर लॉंच किये जाने के लिए भी पहल किये जाने की जरूरत है। वक्तव्य रखते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि वे ऐसे समय में विदेश मंत्री नियुक्त किये गये हैं जिस समय में चीन व रसिया के साथ भारत की नजदीकियां बढ़ रही हैं और पाकिस्तान के साथ रिश्तों में और भी प्रगाढ़ता आ रही है। विदेश मंत्री के इस अभिनन्दन समारोह में प्रभा खेतान, शिशिर बाजोरिया, छपते छपते समूह के सम्पादक विश्वम्भर नेवर भी शामिल थे।

प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में राजस्थान नेशनल फोरम के कार्यक्रम में विदेश मंत्री नटवर सिंह, फांउडेशन के न्यासीद्वय प्रभा खेतान व संदीप भूतोड़िया, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया.

छपते छपते, 13, दिसम्बर 2004

The breakfast do

Subrata Koral

The event: Felicitation of Kunwar Natwar Singh, minister of external affairs with a Rajasthani breakfast. **The host:** Industrialist-social activist **Sundeep Bhutoria**. **The venue:** His home on Little Russell Street. **The guests:** Included the who's who of the power circuit in Kolkata. Danseuse **Tanusree Shankar** added a dash of glamour to the do.

Kunwar Natwar Singh

Dinesh Vajpayee

MK Singh

HA Safwi

Sundeep Bhutoria

Rabin Deb and Amiya Gooptu

Sougata Roy and Hasim Abdul Halim

TIMES OF INDIA, *13 DECEMBER, 2004*

प्रभा खेतान फाउण्डेशन एवं राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा केन्द्रिय विदेशमंत्री श्री नटवर सिंह के सम्मानार्थ आयोजित समारोह में श्री नटवर सिंह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के निदेशक श्री दिनेश बजाज। चित्र में प. बंगाल विधानसभा के स्पीकर श्री हाशिम अब्दुंल हालिम, डॉ. प्रभा खेतान, श्री शिशिर बाजोरिया, श्री संदीप भुतोड़िया भी परिलक्षित हैं।

फोटो : विश्वमित्र

दैनिक विश्वमित्र, 15, दिसंबर, 2004

प्रभा खेतान फाउण्डेशन एवं राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा केन्द्रीय विदेश मंत्री श्री नटवर सिंह के सम्मानार्थ आयोजित समारोह में श्री नटवर सिंह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए श्री दिनेश बजाज, चित्र में प. बंग विधानसभा के स्पीकर श्री हाशिम अब्दुल हालिम, डा. प्रभा खेतान, श्री शिशिर बाजोरिया, श्री संदीप भुतोड़िया परिलक्षित हैं।

सन्मार्ग, 15, दिसंबर, 2004

राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा कलकत्ता में आयोजित विदेश मंत्री नटवर सिंह के सम्मान समारोह में फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया, लेखक एवं समाज सेविका डा. प्रभा खेतान, विदेश मंत्री कुंवर नटवर सिंह, फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी तथा पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम

दैनिक राष्ट्रदूत 16, दिसंम्बर 2004

कोलकाता में राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा आयोजित समारोह में फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया, लेखक एवं समाज सेविका डा. प्रभा खेतान, विदेश मंत्री कुंवर नटवरसिंह, फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी तथा पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम। (छाया: मोहन मैत्रेय)

पंजाब केशरी राजस्थान 16, दिसंम्बर 2004

अप्रवासी राजस्थानियों की ओर से कोलकाता में विदेश मंत्री नटवर सिंह का स्वागत करते राजस्थान नेशनल फोरम के पदाधिकारी।

फोटो: महका भारत

सुझावों को वसुंधरा ने माना

कोलकाता। राजस्थानी फाउण्डेशन के चैप्टरों की कल जयपुर में हुई बैठक में कोलकाता चैप्टर द्वारा दिये गये सुझावों को मुख्य मंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने मान लिया। इन सुझावों में राजस्थान के मुख्य मंत्री समेत अन्य मंत्रियों के आगमन की सूचनाएं संबांधित प्रदेशों के चैप्टरों को देने, राजस्थान सूचना केन्द्रों और राजस्थानी फाउण्डेशन के मध्य समन्वय स्थापित करने आदि के सुझाव दिये गये। इस बैठक में मुख्य मंत्री ने घोषणा की कि आगामी ३० मार्च को मनाया जाने वाला राजस्थान दिवस अब राजस्थानी फाउण्डेशन दिवस के रूप में मनाया जायेगा। कोलकाता चैप्टर का प्रतिनिधित्व संदीप भूतोड़िया ने किया।

सन्मार्ग ,20 , दिसंबर , 2004

राजस्थान फाउंडेशन ने सुझाव माने

कोलकाता : राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टरों की बैठक में कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया द्वारा दिये गये सुझावों को सहर्ष स्वीकार करते हुए राजस्थान सरकार ने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिये हैं. इस क्रम में श्री भूतोड़िया ने कहा कि चैप्टरों को सक्रिय करने के लिए उन्हें राजस्थान से बाहर स्थित सभी राजस्थानियों के संगठनों से समन्वय स्थापित करने के अधिकार दिये जाने चाहिए, ताकि वे राजस्थानियों के कार्यक्रमों के लिए एक मंच पर इकट्ठे हो सकें. राजस्थान के मंत्री और सरकारी अधिकारी जिस भी राज्य में जायें, वहां उनके जाने की सूचना चैप्टरों को मिलनी चाहिए. इस जिम्मेदारी का निर्वाह राजस्थान फाउंडेशन करे और मंत्रियों व अधिकारियों के दौरे की सूचना चैप्टरों को अग्रिम तौर पर दें. भूतोड़िया ने सुझाव दिया कि जहां राजस्थानी सूचना केंद्र और राजस्थान फाउंडेशन के चेप्टर हैं, वहां दोनों के बीच समन्वय बैठाने की जिम्मेदारी भी राजस्थान सरकार उठाये. उन्होंने मांग की कि फाउंडेशन की गवर्निंग बाड़ी में महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए. जयपुर में हुई बैठक में घोषणा की गयी कि 30 मार्च को मनाया जानेवाला राजस्थान दिवस अब राजस्थानी फाउंडेशन दिवस के रूप में भी मनाया जायेगा. बैठक में मुख्यमंत्री विजय राजे ने न्यूयार्क चैप्टर के पदाधिकारियों की ओर से दिये गये निमंत्रण पर तर्क देते हुए कहा कि वे सिर्फ लंच अथवा डिनर के लिए वहां नहीं आना चाहतीं, बल्कि कोई ठोस योजना होने पर ही उन्हें निमंत्रित किया जाये तो बेहतर रहेगा. उल्लेखनीय है कि भूतोड़िया राजस्थान नेशनल फोरम के भी अध्यक्ष हैं और यह संस्था पूरे देश में राजस्थानियों को एक बैनर तले लाने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है. बैठक में राज्यपाल ने फोरम द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए प्रदेश में महिला उत्थान कार्यक्रमों में पहल का सुझाव भी दिया. पांच घंटे चली बैठक में कोलकाता से हरिमोहन बांगड़, मद्रास से कैलाश दुगड़, न्यूयार्क से नवीन सहा एवं सभी चैप्टरों के पदाधिकारियों के अलावा राजस्थान राज्य सरकार के सभी विभागों के प्रधान सचिव व मुख्य सचिव उपस्थित थे.

प्रभात खबर, 20, दिसंबर, 2004

राजस्थान फाउंडेशन ने भूतोड़िया का सुझाव माना

जयपुर, २० दिसंबर (वि.प्र.)। राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टरों की बैठक में कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया द्वारा दिये गये सुझावों को सहर्ष स्वीकार करते हुए राजस्थान सरकार ने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिये हैं। इस क्रम में श्री भूतोड़िया ने कहा कि चैप्टरों को सक्रिय करने के लिए उन्हें राजस्थान से बाहर स्थित सभी राजस्थानियों के संगठनों से समन्वय स्थापित करने के अधिकार दिये जाने चाहिए, ताकि वे राजस्थानियों के कार्यक्रमों के लिए एक मंच पर इकट्ठे हो सकें। राजस्थान के मंत्री और सरकारी अधिकारी जिस भी राज्य में जायें, वहां उनके जाने की सूचना चैप्टरों को मिलनी चाहिए। इस जिम्मेदारी का निर्वाह राजस्थान फाउंडेशन करे और मंत्रियों व अधिकारियों के दौरे की सूचना चैप्टरों को अग्रिम तौर पर दें। भूतोड़िया ने सुझाव दिया कि जहां राजस्थानी सूचना केंद्र और राजस्थान सरकार फाउंडेशन के चैप्टर हैं, वहां दोनों के बीच समन्वय बैठाने की जिम्मेदारी भी राजस्थान सरकार उठाये। उन्होंने मांग की कि फाउंडेशन की गवर्निंग बाडी में महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। जयपुर में हुई बैठक में घोषणा की गयी कि ३० मार्च को मनाया जाने वाला राजस्थान दिवस अब राजस्थानी फाउंडेशन दिवस के रूप में भी मनाया जायेगा।

बैठक में मुख्यमंत्री विजया राजे ने न्यूयार्क चैप्टर के पदाधिकारियों की ओर से दिये गये निमंत्रण पर तर्क देते हुए कहा कि वे सिर्फ लंच अथवा डिनर के लिए वहां नहीं आना चाहतीं, बल्कि ठोस योजना होने पर ही उन्हें निमंत्रित किया जाये तो बेहतर रहेगा।

उल्लेखनीय है कि भूतोड़िया राजस्थान नेशनल फोरम के भी अध्यक्ष हैं और यह संस्था पूरे देश में राजस्थानियों को एक बैनर तले लाने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है। बैठक में राज्यपाल ने फोरम द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए प्रदेश में महिला उत्थान कार्यक्रमों में पहल का सुझाव भी दिया। पांच घंटे चली बैठक में कोलकाता से हरिमोहन बांगड़, मद्रास से कैलास दुगड़, न्यूयार्क से नवीन सहा एवं सभी चैप्टरों के पदाधिकारियों के अलावा राजस्थान राज्य सरकार के सभी विभागों के प्रधान सचिव व मुख्य सचिव उपस्थित थे।

दैनिक विश्वमित्र,21 , दिसंबर , 2004

New year, new name for India Exchange Place

The Calcutta Stock Exchange

HT Correspondent
Kolkata, December 28

KOLKATA'S FINANCIAL nerve centre is set to be renamed a second time after Independence. India Exchange Place, which houses the stock exchange, the Bengal Chamber of Commerce, the Tea Board, the jute exchange and other vital institutions, will be known as Maharana Pratap Marg from next week.

Coincidentally, the Marwari community has been instrumental in both the renaming moves. Till 1948, the place was known as Royal Exchange Place after the Royal Exchange Bank that was off-limits to "natives" during the British rule. A group of powerful Marwaris led by G.D.Birla initiated the drive to erase the "humiliating" Raj legacy of the Royal Exchange Place and the area was renamed India Exchange Place.

Over the last five years, the Kolkata chapter of the Rajasthan Foundation has been spearheading the drive to re-christen the place Maharana Pratap Marg. "Our efforts bore fruit last year, during Bhairon Singh Shekhawat's first visit to the city after becoming the Indian Vice President. The Marwari community had organised a function to felicitate him where Mamata Banerjee and Mayor Subrata Mukherjee were present. Some people voiced this demand in front of him and Mamata Banerjee agreed to it," said Sundeep Bhutoria, the secretary of the Rajasthan Foundation's Kolkata chapter.

A Trinamool legislator, S.N. Bajaj, was given with the responsibility of identifying a suitable spot for installing a statue of the Maharana and to act as a bridge between the Rajasthani community and the Kolkata Municipal Corporation to facilitate the renaming of India Exchange Place. "The renaming formalities were completed and the mayor, on our plea, requested the Vice President to preside over the renaming ceremony during his next visit to the city. The Vice-President agreed," said Bhutoria. Shekhawat will be here on January 2 to attend the wedding reception of Speaker Somnath Chatterjee's grandson. He will preside over the renaming ceremony at the crossing of India Exchange Place and Brabourne Road at 5 pm on Sunday. A memorial statue of the Maharana was installed at the Auckland Park a few months ago by Vishnu Kant Shastri, the then Governor of UP. A full-size statue is being sculpted now and will replace the memorial statue.

HINDUSTAN TIMES. 29. DECEMBER. 2004.